हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

एक-एक बूंद की कीमत

भाठागांव में पक्षियों की प्यास बुझा रहा लीकेज का पानी

फोटो: रमन हलवाई

रायपुर। भीषण गर्मी के बीच जहां इंसान और जानवर पानी के लिए जूझ रहे हैं, वहीं भाठागांव स्थित फिल्टर प्लांट से निकली सर्विस लाइन के एक लीकेज ने अनजाने में पक्षियों के लिए राहत का जरिया बना दिया है। सुबह से लेकर दोपहर तक, रायजिंग लाईन से रिसते पानी के पास रेड वेनेटड बुलबुल ,पर्पल रमपेड सनबर्ड चिड़ियां और अन्य छोटे पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देती है। ये पक्षी इस बहते पानी से अपनी प्यास बुझाते नजर आते हैं, मानो यह लीकेज उनके लिए किसी प्राकृतिक जलस्रोत की तरह काम कर रहा हो। ▶▶|शेष पेज 6 पर

संदेश

यह छोटा सा उदाहरण बताता है कि प्रकृति के लिए थोड़ी सी व्यवस्था भी कितनी बड़ी मदद बन सकती है। यदि हर व्यक्ति अपने घर या आसपास पक्षियों के लिए पानी रखे, तो गर्मी में कई जीवों की जान बचाई जा सकती है।

- ग्राम बांझीमौहा में करीब 40 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी बनकर तैयार खड़ी
- सालभर बाद भी पानी मिलना शुरू नहीं
- बजट का अभाव

न जल, न जीवन और न रहा मिशन... टंकी बनी, नल भी लग गए, पर बिजली नहीं इसलिए तीन साल से सूखा

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

मैनपुर की कुचेंगा ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन योजना के तहत 42 लाख रुपए खर्च कर पानी टंकी बनाई गई है। करीब तीन साल हो गए, टंकी से एक बूंद पानी गांव वालों को नहीं मिला है, क्योंकि गांव में बिजली कनेक्शन ही नहीं है। इतना ही नहीं, गांव में पाइप लाइन बिछाकर घर-घर नल की टोटियां भी लगाई जा चुकी हैं। अब यहां सौर ऊर्जा से पानी सप्लाई की बात कही जा रही है। यह केवल कुचेंगा की बात नहीं है, ऐसा ही हाल ओडिशा सीमा से लगे कुछ और गांवों का भी है।

गरहाडीह में लगभग 60 लाख रुपए, कोकड़ी में 40 लाख ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि लगातार

सौर उर्जा से संचालित करने की तैयारी

क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जब इस मामले की शिकायत मंत्री, विधायक, सांसद एवं गरियाबंद कलेक्टर से की तो अब इन गांवों की पेयजल योजना को सौर उर्जा सिस्टम लगाकर संचालित करने की योजना बनाई जा रही है, लेकिन इसका लाभ कब तक ग्रामीणों को मिलेगा, कहा नहीं जा सकता। फिलहाल कोई ठोस कार्ययोजना सामने नहीं आई है।

40 लाख की टंकी सालभर से इंतजार

कवर्धा जिले के इसी विकासखंड के ग्राम पंचायत जेवड़न खुर्द के आश्रित ग्राम बांझीमौहा में सालभर से करीब 40 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी बनकर तैयार खड़ी है। घर-घर नल लगाकर पाइप लाइन भी बिछा दी गई है।

महेश मिश्रा ▶▶| कवर्धा

सालभर बाद भी लोगों को पानी मिलना शुरू नहीं हुआ है। क्योंकि बजट के अभाव में लोक स्वा्थ्य यांत्रिकी विभाग ने पंचायत को योजना नहीं सौंपी है। पेयजल संकर से जूझ रहे इस गांव में इससे नाराजगी भी बढ़ती जा रही है। यही स्थिति जेवड़न खुर्द में भी बनी हुई है। निर्माण कार्य और पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा होने के बावजूद जल आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना पर भारी खर्च के बावजूद उन्हें लाभ नहीं मिल रहा, जिससे वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

सवाल यह भी उठ रहा है कि जब काम पूरा हो चुका है तो योजना का हैंडओवर अब तक क्यों नहीं किया गया। आवंटन और तकनीकी दिक्कतों से अटका जल आपूर्ति कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कवर्धा के कार्यपालन ▶▶|शेष पेज 6 पर

आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹103903/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹126900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹138523/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

ईरान ने अमेरिका के साथ दूसरे दौर की बातचीत के प्रस्ताव को ठुकराया

अमेरिकी टीम वार्ता के लिए आज पहुंचेगी पाकिस्तान

ईरान अड़ा, ट्रंप बोले- समझौता नहीं किया तो सबकुछ उड़ा देंगे

अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने को लेकर इस्लामाबाद में मंगलवार को दूसरे दौर की बातचीत होने वाली है, लेकिन इससे पहले ईरान ने वहां अपने प्रतिनिधियों को भेजने से इंकार कर दिया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास आखिरी मौका है। अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े हमले किए जाएंगे, सब कुछ तबाह कर दिया जाएगा।

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अपने पोस्ट में लिखा, मेरे प्रतिनिधि इस्लामाबाद पाकिस्तान जा रहे हैं। वे कल शाम वहां बातचीत के लिए पहुंचेंगे। हम एक बहुत ही निष्पक्ष और उचित डील का प्रस्ताव दे रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वे (ईरानी) इसे स्वीकार करेंगे। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अमेरिकी सेना ईरान के सभी पावर प्लांट और पुलों को तबाह कर देगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ईरान पर सीजफायर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने कल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर गोलियां चलाने का फैसला किया। ईरान का ये फैसला अजीब है क्योंकि से समुद्री गलियारा को पहले ही बंद है। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

नाकाबंदी तक कोई बातचीत नहीं

ईरान की ओर से फिलहाल पाकिस्तान में वार्ता के लिए कोई प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला नहीं लिया गया है। जब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी जारी रहेगी, तब तक ईरान पाकिस्तान में कोई बातचीत दल नहीं भेजेगा। ट्रंप के ऐलान से पहले ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने कहा है कि युद्धविराम समझौते पर अमेरिका के साथ वार्ता में प्रगति हुई है, लेकिन कुछ शर्तें बाकी हैं।

अमेरिका से कुछ मुद्दों पर टकरावः ईरान

डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान से पहले ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने कहा है कि युद्धविराम समझौते पर अमेरिका के साथ वार्ता में प्रगति हुई है। हालांकि डील पर पहुंचने में समय लग सकता है क्योंकि दोनों पक्ष अभी समझौते से दूर हैं। अमेरिका के साथ कुछ मुद्दों पर चीजें तय होना बाकी है।

ईरान बोला

ट्रंप परमाणु अधिकार छीनने वाले कौन

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने रविवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के परमाणु अधिकारों को रोकने का कोई हक नहीं है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पजशकियान कहा, ट्रंप कहते हैं कि ईरान अपने परमाणु अधिकारों का इस्तेमाल नहीं कर सकता, लेकिन यह नहीं बताते कि किस जुर्म में। वह कौन होते हैं किसी देश को उसके अधिकारों से वंचित करने वाले?

भारतीय टैंकर ने पार किया होर्मुज स्ट्रेट

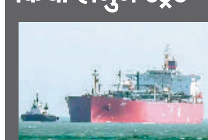

भारत के ध्वज वाले एक तेल के टैंकर ने होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित पार कर लिया। भारतीय टैंकर ने इस तनाव ग्रस्त जलमार्ग को ऐसे समय पार किया है, जब 2 अन्य भारतीय जहाजों को गोलीबारी के बाद वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता को ईरान के साथ साझा किया था। पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कच्चे तेल ▶▶|शेष पेज 6 पर

टंकी बनी शो पीस, काम छोड़ भागा ठेकेदार

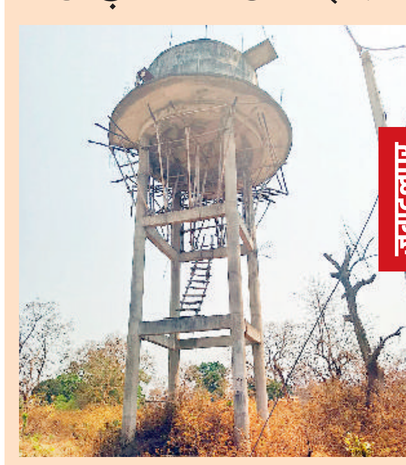

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

संभाग मुख्यालय से महज 20 किलोमीटर दूर स्थित नानगुर में 3 साल से पानी टंकी शो पीस के रूप में है। लगभग 2 हजार के आबादी वाले इस गांव में 450 से अधिक मकान हैं। गांव में पाइप लाइन बिछाकर घरों तक नल से पानी देने की योजना पूरी तरह से फेल है। लोग सूखे नल को देखकर पीएचई विभाग के अधिकारियों और काम अधूरा छोड़कर भाग गए ठेकेदार को कोस रहे हैं।

गांव के उपसरपंच महेंद्र सेठिया ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि पीएचई विभाग के अधिकारी से गांव वालों ने कहा है कि ठेकेदार पर एफआईआर कर दूसरा टेंडर किया जाए। ताकि इस बड़े गांव के लोगों को पानी संकट से निजात मिल सकें। उन्होंने बताया कि पंचायत की और से हैंडपंप में बोर के जरिए लगभग 50 घरों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। लेकिन ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से की मुलाकात

कोलंबो। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को यहां श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की और भारतीय आवास परियोजना एवं मछुआरों के मुद्दों सहित दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच विभिन्न पहलों पर चर्चा की। दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे राधाकृष्णन ने दिसानायके के साथ भारतीय परियोजना पर भी चर्चा की।

स्वयंभू बाबा खरात 23 तक पुलिस हिरासत में

नासिक। नासिक की एक अवकाशकालीन अदालत ने रविवार को स्वयंभू बाबा अशोक खरात को उसके खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न और शोषण के पांचवें मामले में 23 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जब 35 वर्षीय एक महिला ने नासिक के सरकारवाड़ा थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी।

मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में रविवार को 'लेवल क्रॉसिंग' पर मालगाड़ी का एक डिब्बा कार से टकराने के बाद पटरी से उतर गया। यह दुर्घटना बोकारो थर्मल पुलिस थाना (बीटीपीएस) अंतर्गत ओवरब्रिज के पास हुई, जब मालगाड़ी दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी) ऊर्जा संयंत्र से निकल रही थी।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में हादसा

पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका, 23 की गई जान

एजेंसी ▶▶| विरुधुनगर

तमिलनाडु के विरुधुनगर के निकट स्थित एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कम से कम 23 श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायल हुए छह लोगों में से चार की हालत नाजुक है और उनका विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज जारी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, ▶▶|शेष पेज 6 पर

19 शवों की पहचान

अब तक 19 शवों की पहचान हो चुकी है। इनमें 16 महिलाएं और तीन पुरुष हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस पटाखा निर्माण इकाई को नागपुर स्थित पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन से लाइसेंस मिला हुआ है। विस्फोट फैक्ट्री के सामने वाले हिस्से में हुआ है, जहां मजदूर कच्चे सामान के साथ काम कर रहे थे।

एक और घायल श्रमिक की मौत

वेदांता विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 24

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

सक्ती जिले में वेदांता विद्युत संयंत्र में हुए विस्फोट में घायल हुए एक और श्रमिक की रविवार को मौत हो गई जिससे इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि 11 अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है और इनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र निवासी मनीष ▶▶|शेष पेज 6 पर

11 घायलों का चल रहा उपचार

एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायलों में से छह रायगढ़ के जिंदल अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि बालाजी मेट्रो अस्पताल में दो और एपेक्स अस्पताल, रायगढ़ में दो मरीज भर्ती हैं। एक अन्य श्रमिक का इलाज रायपुर के श्री शंकरा अस्पताल में किया जा रहा है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

हिरासत में दो अमेरिकी नागरिक, चेकिंग में मिला सैटेलाइट फोन

श्रीनगर। श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उनके सामान की जांच में एक गार्मिन सैटेलाइट फोन मिला। पहले एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने उनसे पूछताछ की और फिर उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया, जिसके बैग से फोन मिला उसका नाम जेफरी स्कॉट है और वो अमेरिका के मोंटाना राज्य का रहने वाला है। अभी पुलिस आगे की जांच कर रही है।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
- Computer Science and Engineering
- Computer Science and Information Technology
APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes
NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 15th Best in University Category
- 22nd Best in Engineering Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

मैनपाट के ग्राम सुपलगा में हुई अनोखी शादी, फूट-फूटकर रोया दूल्हा

बारात लेकर पहुंची दुल्हन, दुल्हे को विदा करा ले गई मायके

एजेंसी ▶▶| अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट में हुई एक अनोखी शादी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। मैनपाट के दूरस्थ ग्राम सुपलगा में ग्राम पैगा की दुल्हन बारात लेकर पहुंची एवं विवाह उपरांत दूल्हे की विदाई के बाद बारात लेकर अपने घर लौटी। विदाई के दौरान दुल्हा फूट-फूटकर रोया।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपनी परंपराओं का पालन दृढ़ता के साथ करते हैं लेकिन ग्राम सुपलगा में प्राचीन परम्पराओं को चुनौती देकर दुल्हन देवमुनि एक्का अपने परिजन एवं रिश्तेदारों के साथ बारात लेकर दूल्हे बिलासुस एक्का के घर पहुंची। दूल्हे के परिजन ने मसीही समाज की रीति के अनुसार विधि-विधान से दोनों का विवाह संपन्न कराया। बारात के पहुंचने पर दूल्हे के परिजन ने बारातियों की अच्छी तरह खातिरदारी की। रात में दूल्हे के आंगन में सजे मंडप में पुरोहित ने दोनों विवाह सम्पन्न कराया। रात में विवाह के दौरान खुशी का माहौल था लेकिन सुबह जैसे ही विदाई का समय आया दूल्हे को फूट-फूटकर रोते देख माहौल गमगीन हो गया। दुल्हन के पिता मोहन ने बताया कि उनकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

चुमावन की परंपराः महेश तिर्की ने बताया कि हमारे समाज में विवाह उपरांत चुमावन की परंपरा है। वर एवं कन्या पक्ष के पारिवारिक सदस्य दुल्हन का बारी-बारी से उपहार देते हैं। वर पक्ष के लोग कन्या पक्ष को देते हैं। दहेज के लिए कोई भी किसी पर दबाव नहीं डालता है। दहेज को लेकर किसी परिवार में कटुता भी नहीं आती तथा विवाह हंसी-खुशी के बीच संपन्न होता है।

ससुर ने कही यह बात....

मोहन एक्का ने बताया कि वे अपने जमाई को बेटे की तरह रखेंगे तथा सारी सुख सुविधाएं देंगे। दुल्हे बिलासुस के परिजन उर्मिला बरवा ने बताया कि विवाह पूर्व वर एवं कन्या पक्ष के बीच कई दौर की चर्चाएं हुई। बिलासुस के घर जमाई बनने से दुवमुनि के परिवार को सहारा मिलेगा।

वर पक्ष देता है दहेज

दूसरे समाज में कन्या पक्ष वर पक्ष को दहेज देता है। दहेज को लेकर कई बार विवाद की भी स्थिति निर्मित होती है तथा दहेज के कारण परिवार के बिखरने की भी घटनाएं होती हैं। इस परंपरा से अलग आदिवासी समाज में दहेज की अलग परंपराएं हैं। यहां कन्या पक्ष को वन पक्ष दहेज देता है।

आईआरसीटीसी की धार्मिक यात्रा में अब 40 प्रतिशत लोग चुन रहे ईएमआई की सुविधा

ईएमआई पर धार्मिक यात्रा, भारत गौरव ट्रेन में 900 रुपए की आसान किस्तों में 7 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

ट्रेन के जरिए धार्मिक यात्रा करने के लिए आईआरसीटीसी समय-समय पर योजनाएं बनाता रहा है। बीते कुछ वर्षों में सात ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए जब से आईआरसीटीसी ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन में ईएमआई बुकिंग की सुविधा शुरू की है, यात्रियों का रुझान इस ट्रेन की ओर तेजी से बढ़ा है। पहले टिकट और अन्य सुविधाओं का एकमुश्त खर्च अधिक होने से कई यात्री इस ट्रेन से यात्रा करने से पीछे हट जाते थे। इस वजह से कई बार ट्रेन की सीटें खाली भी रह जाती थीं। अब ईएमआई की सुविधा के तहत 900 से 1000 रुपए की आसान किस्तों के साथ यात्री ट्रेन में बुकिंग करा रहे हैं और ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का लाभ ले रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में पता चला कि रायपुर से कई यात्रियों ने 27 अप्रैल से 8 मई के बीच होने वाली भगवान शिव के सात ज्योतिर्लिंगों की यात्रा के लिए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के टिकट ईएमआई पर बुक कराए हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के आईआरसीटीसी अधिकारियों ने बताया कि कई यात्रियों को एकमुश्त पेमेंट करने में दिक्कत होती थी। ऐसे यात्री अब यात्रा का खर्च आसान किस्तों के जरिए चुका सकते हैं। इस पहल से न केवल दपूमरे जोन, बल्कि देशभर के विभिन्न जोनों से तीर्थयात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। अब आईआरसीटीसी की इन धार्मिक यात्राओं में सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी बढ़ रही है। 40 प्रतिशत लोग ईएमआई का विकल्प चुन रहे हैं।

पहले पर्याप्त यात्री नहीं मिलने के कारण कई बार रेलवे को परिचालन में नुकसान उठाना पड़ता था। ईएमआई की सुविधा शुरू होने से यह समस्या भी दूर हो गई है। अब यात्री सेकंड एसी (प्रीमियम) की 53,260 रुपए के महंगे टिकट को भी सालभर की आसान किस्तों में बुक करा रहे हैं। इसके अलावा यह सुविधा 23500 रुपए वाले स्लीपर कोच के टिकट पर भी उपलब्ध है। यात्री आईआरसीटीसी के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर, जरूरी टूर डिटेल्स दर्ज करके और अपना पसंदीदा पेमेंट ऑप्शन चुनकर इस ईएमआई सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। बुकिंग के दौरान सिस्टम यात्रियों को एकमुश्त भुगतान या ईएमआई का विकल्प देता है, जिससे यात्रियों को अपने बजट के अनुसार टिकट बुक करने में ज्यादा आसानी और सहूलियत मिलती है।

रेलवे द्वारा चलाई जाने वाली टूरिस्ट ट्रेन, अलग-अलग बजट के हिसाब से कई केटेगरी की सुविधा देती है, साथ ही एक आरामदायक तीर्थयात्रा का अनुभव भी देती है। पैकेज में 2एसी, 3एसी और स्लीपर क्लास कोच में यात्रा के साथ-साथ शाकाहारी खाना, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना शामिल है। श्रद्धालुओं को चुनी गई केटेगरी के आधार पर एसी या नॉन-एसी बसों से स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाता है।

27 अप्रैल से 8 मई (11 रातें और 12 दिन) तक सात ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए इस यात्रा के लिए ट्रेन में कुल 751 बर्थ हैं। इनमें 2 एसी की 49, 3 एसी की 210 और स्लीपर क्लास की 492 सीटें शामिल हैं। इकॉनॉमी केटेगरी (स्लीपर क्लास) में इसका किराया प्रति व्यक्ति 23,500 रुपए और बच्चों (5–11 साल) के लिए 22,160 रुपए है। इसमें स्लीपर कोच में सफर, डबल या ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर नॉन-एसी होटलों में रुकना, बेसिक 'वॉश एंड चेंज' की सुविधा और घूमने के लिए नॉन-एसी लोकल ट्रांसपोर्ट शामिल है। स्टैंडर्ड केटेगरी (थर्ड एसी) में इसका किराया प्रति व्यक्ति 40,000 रुपए और बच्चों के लिए 38,430 रुपए है। इसमें थर्ड एसी कोच में सफर, डबल या ट्रिपल शेयरिंग पर एसी होटलों में रुकना, 'वॉश एंड चेंज' के लिए नॉन-एसी कमरे और घूमने के लिए नॉन-एसी लोकल ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था शामिल है। कम्फर्ट केटेगरी सेकंड एसी, इस प्रीमियम पैकेज की कीमत प्रति व्यक्ति 53,260 रुपए और बच्चों के लिए 51,370 रुपए है। इसमें सेकेंड एसी में सफर, एसी होटलों में रुकना, 'वॉश एंड चेंज' के लिए एसी कमरे और स्थानीय भ्रमण के लिए एसी ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिलती है।

डीके हास्पिटल में एमसीएच हॉस्टल निर्माण शुरू खुलेंगे नए विषय में सुपर स्पेशलिटी कोर्स के रास्ते

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

डीके सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के एमसीएच डॉक्टरों के लिए हॉस्टल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। अगले दो साल में तैयार होने वाली इस बिल्डिंग के बाद संस्थान में नए विषयों के सुपर स्पेशलिटी कोर्स के रास्ते खुलेंगे। वर्तमान में यहां के एमसीएच डॉक्टर हास्पिटल के प्रायवेट वार्ड में रहते हैं, जिसके लिए उन्हें ढाई हजार रुपए शुल्क भी देना पड़ता है। बनाए जा रहे जी प्लस-8 भवन में चिकित्सा शिक्षकों के साथ अन्य स्टाफ को भी जगह दी जाएगी।

डीके हास्पिटल में एमसीएच हॉस्टल बनाने की योजना काफी समय पहले स्वीकृत हो चुकी थी, इसके लिए बजट भी पास किया गया था। निर्माण की जिम्मेदारी सीजीएमएससी के पास थी, जो फाइलों में अटकी थी। पिछले दिनों डीके अस्पताल के निरीक्षण पर आए कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन रितेश अग्रवाल ने योजना के बारे में जानने के बाद काम शुरू करने के निर्देश दिए थे। रितेश अग्रवाल सीएमई के साथ एमडी सीजीएमएससी भी हैं, इसलिए उनके निर्देश पर तत्काल अमल हुआ और हॉस्टल निर्माण शुरू हुआ। प्रस्तावित स्थल पर पेड़ों की कटाई होने के बाद प्लिंथ का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। अनुमान है कि हॉस्टल का निर्माण अगले दो वर्षों में पूरा हो जाएगा। इससे एमसीएच के दो दर्जन डॉक्टरों के छात्रों, संस्थान के चिकित्सा शिक्षकों सहित अन्य स्टाफ को आवास सुविधा मिल पाएगी। अस्पताल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इससे हास्पिटल में संचालित अन्य विषयों में भी एमसीएच, डीएम कोर्स की अनुमति के रास्ते खुलेंगे।

17 करोड़ की लागत से निर्माण

इस भवन के निर्माण की लागत 17 करोड़ रुपए तय की गई है। हॉस्टल के लिए पहले पुराने डीएमई कार्यालय वाले भवन को प्रस्तावित किया गया था। बाद में इसे उपयुक्त नहीं माना गया। वर्तमान में इस भवन में अस्थायी रूप से तहसील कार्यालय का संचालन किया जा रहा है। नर्सिंग हॉस्टल के लिए बनाई गई यह बिल्डिंग डीके अस्पताल की जमीन पर मौजूद है।

अभी एमसीएच की आठ सीटें

डीके हास्पिटल में वर्तमान में संचालित न्यूरो सर्जरी विभाग में 2, पीडियाट्रिक सर्जरी और बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी में 3-3 सीटें हैं। संस्थान में संचालित कुछ अन्य विषयों पर भी आने वाले दिनों में एमसीएच कोर्स प्रारंभ किए जाने की संभावना है। डीके अस्पताल के साथ आंबेडकर अस्पताल में भी कुछ सीटों पर एमसीएच और डीएम की पढ़ाई होती है।

महिला आरक्षण पर सरकार की कथनी-करनी में फर्क

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण को लेकर हमला बोला है। प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गा झा ने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में महिला आरक्षण कानून पारित कर 33 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का दावा तो किया, लेकिन इसे लागू करने की प्रक्रिया को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की मंशा साफ होती तो वर्तमान 543 लोकसभा सीटों में ही लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती थीं। ऐसा करने से कई मौजूदा नेताओं की राजनीतिक स्थिति प्रभावित होती, इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, जिससे सभी पक्षों को संतुष्ट रखा जा सके। महिला विंग प्रदेशाध्यक्ष मिथलेश बघेल ने कहा, अलग-अलग राज्यों में जनसंख्या और सीटों के आधार पर होने वाले बदलाव से क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ सकता है।

सिटी विकास प्लान सहित नगरीय निकायों की योजनाओं की समीक्षा करेंगे साव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेश में सिटी विकास प्लान सहित नगरीय निकाय विभाग की कई योजनाएं जमीन पर नहीं उतर पाई हैं। सरकार इस पर सख्त है। इसे लेकर उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव राजधानी रायपुर में दो दिनों तक मैराथन बैठक कर राज्य के सभी नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। वे इस दौरान सभी निकायों में विकास कार्यों की प्रगति तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेंगे।

बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी निगम आयुक्तों तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने वरिष्ठ अभियंताओं के साथ बैठक में मौजूद रहने कहा है। बताया जाता है कि नगरीय निकायों को सिटी डेवेलपमेंट प्लान के प्रस्ताव मंगाए गए थे। कई जगह वार्डवार योजनाएं बनाई गई थीं, लेकिन इस पर अमल नहीं हो पाया। बैठक में इसे प्रमुख एजेंडे के रूप में शामिल किया गया है। सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस कन्वेंशन-हॉल में 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे से प्रदेश के सभी नगर निगमों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। वे दोपहर ढाई बजे से नगरपालिकाओं के कार्यों की समीक्षा करेंगे। अगले दिन 21 अप्रैल को दिनभर संभागवार सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव दो दिवसीय मैराथन बैठक के दौरान नगरीय निकायों में राजस्व वसूली, विद्युत देयकों के भुगतान, वेतन भुगतान, अधोसंरचना विकास व 15वें वित्त आयोग के कार्यों, नालंदा परिसरों, नगरोत्थान योजना, जलप्रदाय योजनाओं, आपदा प्रबंधन, गोधाम योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, आई-गॉट कर्मयोगी तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

पहले देना पड़ता था 60 हजार लैंडिंग शुल्क, अगले तीन माह 40 हजार तय हुआ किराया

एयरपोर्ट पर विमानों के पार्किंग शुल्क में कटौती, एयर टिकट के दामों में अनावश्यक बढ़ोतरी से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट समेत देशभर के विमानतलों पर आवाजाही करने वाले विमानों के पार्किंग शुल्क में कटौती की गई है। अगले तीन माह तक की गई इस कटौती से एयर टिकट में होने वाली अनावश्यक बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जा सकेगा, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी। रायपुर एयरपोर्ट पर पहले लैंडिंग के लिए नियमित फ्लाइट को 60 से 65 हजार रुपए देने पड़ते थे, जिसे घटाकर 40 हजार किया गया है।

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर रोजाना नियमित रूप से 30 फ्लाइट लैंड और टेकऑफ होती हैं। विमानों को अपनी आवाजाही के दौरान एयरपोर्ट प्रबंधन को प्रति उड़ान पार्किंग शुल्क देना पड़ता है। छोटी और बड़ी फ्लाइट के हिसाब से इसका शुल्क निर्धारित है। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव की वजह से ईंधन के दामों होने वाली बढ़ोतरी के भार से यात्रियों को अलग रखने के लिए विमानन कंपनियों को राहत देने यह फैसला लिया है।

इसका फायदा रायपुर एयरपोर्ट में आने वाली फ्लाइट (विमानन कंपनियों) को भी मिलेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, जून महीने तक यह छूट दी गई है, जिसका लाभ नियमित फ्लाइट के अलावा आने वाले हेलीकाप्टरों तथा अन्य छोटे एयरक्रॉफ्ट को भी मिलेगा। वर्तमान में रायपुर एयरपोर्ट पर सर्वाधिक आवाजाही डोमेस्टिक फ्लाइट का संचालन करने वाली इंडिगो एयरलाइंस कंपनी की होगी। इंडिगो के अलावा यहां से एयर इंडिया और अलायंस एयर की फ्लाइट भी आवाजाही करती हैं।

विमानतल पर पार्किंग के लिए विमानन कंपनियों को शुल्क देना होता है। यह उन एयरक्रॉफ्ट पर भी लागू होता है, जो डायवर्ट होकर अथवा आपात लैंडिंग कर किसी एयरपोर्ट पर उतरते हैं। ऐसे ही इमरजेंसी लैंडिंग करने वाली बांग्लादेशी फ्लाइट के खड़े-खड़े दस साल से ज्यादा वक्त हो गया है। इसकी वजह से फ्लाइट का पार्किंग शुल्क भी बढ़कर 7 करोड़ से ज्यादा हो चुका है। इस विमान का मामला अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है, जिसका हल केंद्रीय स्तर किया जाना है।

क्षेत्रीय उड़ान योजना से मदद

इधर कम यात्री होने के बाद भी संबंधित क्षेत्र में विमान का संचालन जरूरी होने के मामले में एयरलाइंस कंपनियों को शासन स्तर पर मदद दी जा रही है। खासकर क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत ऐसी फ्लाइट के संचालन में निर्धारित सीटों का न्यूनतम किराया तय कर क्षतिपूर्ति शासन स्तर पर उपलब्ध कराने की योजना है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी अपने बजट में इस योजना को शामिल किया है और इसके लिए राशि का प्रावधान भी किया है।

बिलासपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026 | बैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया | वर्ष : 26, अंक : 29 | पृष्ठ : 10+8 =18, मूल्य : 4 .00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नियम न मानने पर पर्यावरण प्रतिकर के रूप में भारी जुर्माना

नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम हुआ लागू

चार श्रेणियों में 'कचरा', नियम तोड़ा तो अफसर और कर्मियों पर चलेगा मुकदमा, जाना पड़ेगा जेल

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में अप्रैल माह से कचरा प्रबंधन को लेकर नया नियम लागू कर दिया गया है। सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026' को प्रभावी ढंग से लागू कर दिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी नए निर्देशों के अनुसार, अब राज्य के हर घर और संस्थान से निकलने वाले ▶▶|शेष पेज 6 पर

बड़ी मात्रा में कचरा पैदा करने वालों पर विशेष नजर

होटल, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान और बड़ी आवासीय सोसायटियों जैसे 'बल्क वेस्ट जनरेटरों' के लिए नियम और कड़े कर दिए गए हैं। इन सभी संस्थानों को केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल पर तत्काल पंजीकरण कराना होगा। परिसर के भीतर ही गीले कचरे के प्रसंस्करण की सुविधा विकसित करनी होगी। नियमों का पालन न करने पर 'पर्यावरण प्रतिकर' के रूप में भारी जुर्माना वसूला जाएगा।

कचरा बीनने के लिए 'फोर-स्ट्रीम' व्यवस्था लागू

नए नियमों के तहत अब कचरे को केवल गीला और सूखा ही नहीं, बल्कि चार श्रेणियों में अलग करना होगा। गीला अपशिष्ट, सूखा अपशिष्ट, सैनिटरी अपशिष्ट, विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट। निकायों को निर्देशित किया गया है कि वे कचरा संग्रहण के लिए उपयोग होने वाले पुराने और नए वाहनों में इन चार श्रेणियों के लिए अलग-अलग कम्पार्टमेंट सुनिश्चित करें।

तीन स्तरों पर सजा और जुर्माना तय

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए सरकार ने तीन स्तरीय दंड व्यवस्था निर्धारित की है। टियर 1: प्रारंभिक क्रियान्वयन न करने पर निकायों और बल्क वेस्ट जनरेटरों (बड़ी मात्रा में कचरा पैदा करने वाले) पर तत्काल अर्थदंड। टियर 2: लगातार लापरवाही बरतने पर पर्यावरण नियमों के तहत आपराधिक मुकदमा, कानून में 'अभियोजन' का अर्थ अदालत में मुकदमा चलाना होता है, जिसमें दोष सिद्ध होने पर कारावास (जेल) की सजा दी जा सकती है। टियर 3 : (अधिकारियों पर कार्यवाही) यदि संबंधित अधिकारी या कर्मचारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत उन्हें दी गई जिम्मेदारियों का पालन नहीं करते हैं तो उन पर भी अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। इसका सीधा मतलब है कि लापरवाही बरतने वाले सरकारी अमले को भी कानूनी प्रक्रिया और जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

कलेक्टर करेंगे इंफ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट

राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे अपने क्षेत्र के निकायों में कचरा प्रबंधन हेतु उपलब्ध संसाधनों का ऑडिट करें। साथ ही पुराने डंप साइट्स के निपटान और 'बायो-रिमेडिएशन' के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।शासन ने सभी निकायों से 15 अप्रैल 2026 तक की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रतिवेदन मांगा है। इसमें कचरा पृथक्करण की स्थिति, पंजीकृत बल्क वेस्ट जनरेटरों की संख्या और सीपीसीबी पोर्टल पर पंजीकरण जैसे बिंदुओं की जानकारी फोटोग्रॉफिक साक्ष्यों के साथ देनी होगी। समय पर रिपोर्ट न देने वाले निकायों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

इन्हें भी याद रखिए, घाव गहरे, पर हौसले ऊँचे

नक्सलियों से लोहा लेते बुरी तरह घायल हुए पर पीठ नहीं दिखाई, अशक्त हुए, पर सशक्त रहे

राजेश दास/जगदलपुर। घायल जवानों की कहानी उन्हीं की जुबानी के अंतिम भाग में हम ऐसे कुछ और जवानों की दास्तां बता रहे हैं जिन्होंने बस्तर के जंगलों, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और नक्सली हिंसा के खतरे के बावजूद अपने कर्तव्यों का निर्वहन अत्यंत साहस और समर्पण के साथ किया है। बस्तर संभाग में 1988 से अप्रैल 2026 तक बीते 38 साल में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान पुलिस एवं सुरक्षा बलों के कुल 2058 जवान विभिन्न घटनाओं में घायल हुए हैं। ये जवान उन्हीं में शामिल हैं

मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से हुए घायल

वीरता व साहस की कहानी में एएसआई जनार्दन कोरम का नाम भी पूरे आदर व सम्मान के साथ लिया जाता है। बीजापुर जिले के नैमेड़ थाना क्षेत्र में 3 दिसम्बर 2025 को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर टीम ऑपरेशन के लिए रवाना हुई थी। सर्चिंग के दौरान घात लगाए नक्सलियों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने बहादुरी से मुकाबला किया और नक्सलियों को भागने पर मजबूर कर दिया। मुठभेड़ में एएसआई जनार्दन कोरम के बाएं पैर में गोली लगी। फिर भी अपनी टीम के साथ नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

गोली लगने के बावजूद अदम्य साहस के साथ किया नक्सलियों का मुकाबला

अंतिम भाग

घायल जवानों की कहानी उन्हीं की जुबानी

एएसआई कोमल खलखो की वीरता की कहानी आज भी कोण्डागांव जिले में याद की जाती है। कोण्डागांव जिले के धूर नक्सल प्रभावित मर्दापाल थाना क्षेत्र के ग्राम हडेली में खोले गए नवनिर्मित कैम्प की कार्डन ड्यूटी के लिए टीम रवाना हुई थी। 6 दिसम्बर 2017 की सुबह 5 बजे 200 मीटर की दूरी में घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने फायरिंग कर ▶▶|शेष पेज 6 पर

बस्तर की शांति और प्रगति के पीछे यही बहादुर जवान

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवान अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इन बहादुर जवानों का साहस और त्याग पूरे पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उनके प्रयासों से क्षेत्र में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण मजबूत हो रहा है।

- सुंदरराज पट्टलिंगम
आईजी बस्तर

ब्लास्ट व गोली लगने से सब इंसपेक्टर प्रकाश चेट्टी हुए घायल

बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में गोली लगने से एसआई प्रकाश चेट्टी गंभीर रूप से घायल हो गए। 14 अगस्त 2025 को पुलिस पार्टी एरिया डॉमिनेशन के लिए निकली थी इसी दौरान माड़ क्षेत्र के गोटपाल जंगल व पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों ने पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए ▶▶|शेष पेज 6 पर

कर्रेगुट्टा हिल्स एरिया में आईईडी विस्फोट में हुए घायल

बीजापुर जिले में जिला बल व बस्तर फाइटर में पदस्थ प्रधान आरक्षक टूमन साहू व रमेश हेमला कर्रेगुटटा हिल्स एरिया में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए सबसे लंबे ऑपरेशन के दौरान 10 मई 2025 को घायल हुए। थाना उसूर क्षेत्र के ग्राम पुजारीकांकेर में माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी के चपेट में आने से टुमन साहू के गंभीर रूप से घायल हो गए।

बाएं हाथ व कंधे में लगी गोली

सुकमा जिले में बस्तर फाइटर में पदस्थ आरक्षक लीलाशंकर नाग 29 मार्च 2025 को थाना केरलापाल क्षेत्र के नेड्रूम परिया के जंगल पहाडी के बीच विशेष नक्सल विरोधी अभियान पर निकली सर्चिंग टीम का हिस्सा थे। नक्सलियों ने सुबह 7:30 बजे घात लगाकर पुलिस पार्टी पर हमला किया।

दाहिने हाथ में गोली लगने के बावजूद नक्सलियों का बहादुरी से किया मुकाबला

कोंण्डागांव जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक विनय बघेल ने भी गोली लगने के बावजूद अपनी टीम के साथ नक्सलियों का बहादुरी से मुकाबला किया। 13 जून 2016 को नारायणपुर जिले के छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के बोटाकुटूम जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर टीम ग्राम किलम के जंगल पहाड़ी की ओर रवाना हुई थी। इसी दौरान ग्राम बोटाकुटुम के घने जंगल में नक्सलियों ने पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। मुठभेड़ के दौरान विनय बघेल दाहिने हाथ में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले में उनके दाहिना हाथ व दो उंगली मुड़ी होने से वर्तमान में भी वे भारी कार्य करने में असमर्थ हैं, लेकिन उनका हौसला आज भी बरकरार है।

स्लीपर सेल या पुनर्गठन की संभावना को सिरे से खारिज करना चाहती है सरकार

नक्सलवाद सिर न उठा सके इसलिए फिर सात संगठनों पर बैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में मार्च से नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया हो चुका है। खुद सरकार ने राज्य को नक्सल मुक्त घोषित भी कर दिया है। इसके बाद भी सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी कम नहीं की है। यही कारण है कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया और उसके छह सहयोगी संगठनों पर एक साल का प्रतिबंध बढ़ाया गया है। खास बात ये है कि नक्सलवाद को चरम पर पंहुचाने और उसकी सभी तरह की गतिविधियों को संचालित करने में यही संगठन सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभा रहे थे। राज्य सरकार के गृह विभाग ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

इन संगठनों पर बढ़ी पाबंदी

सरकार ने छत्तीसगढ़ विशेष जनसुरक्षा अधिनियम, 2005 की धारा-3 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन संगठनों को विधि विरुद्ध घोषित किया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी), दण्डकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ, क्रांतिकारी आदिवासी महिला संघ, क्रांतिकारी आदिवासी बालक संघ, क्रांतिकारी किसान कमेटी, महिला मुक्ति मंच, आरपीसी अथवा जनताना सरकार। राज्य सरकार के गृह विभाग के मुताबिक भले ही बड़े स्तर पर आत्मसमर्पण हुए हों, लेकिन इन संगठनों के सदस्यों द्वारा शहरी क्षेत्रों में पैठ बनाने की कोशिशें शांति के लिए खतरा बनी हुई हैं।

कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा में नक्सल हमले में गंभीर

बस्तर जिले के प्रधान आरक्षक कुंजलाल नेताम ने चारों तरफ से नक्सलियों से घिरने के बावजूद हौसला नहीं खोया। 25 मई 2013 को कांग्रेस पार्टी के परिवर्तन यात्रा के दौरान कांग्रेसी जब सुकमा से जगदलपुर की ओर आ रहे थे तभी झीरम घाटी में घात लगाए नक्सलियों ने जंगल व पहाड़ी का आड़ लेते हुए सड़क के दोनों ओर से फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में कई बड़े लीडर के साथ कई जवान भी शहीद व घायल हो गए। नक्सलियों की ओर से किए गए बारूदी विस्फोट व फायरिंग में कुंजलाल नेताम गंभीर रूप से घायल हो गए और आज भी वे उस दंश को झेल रहे हैं।

आईईडी की चपेट में आने से दाहिना पैर काटना पड़ा बाएं पर में भी तकलीफ

बस्तर जिले के ही एक और वीर आरक्षक धनीराम सोरी दरभा थाना क्षेत्र के पखनार चौकी से 27 जून 2018 को टीम के साथ सर्चिंग व गश्त के लिए रवाना हुए थे। सर्चिंग के दौरान वे नक्सलियों के लगाए प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गए। इस हमले में गंभीर रूप से घायल धनीराम का दाहिना पैर काटना पड़ा। वहीं वर्तमान में भी उनके बाएं पैर में भी तकलीफ है। बावजूद उन्होंने अपना हौसला नहीं खोया और उपचार के साथ वर्तमान में भी अपनी ड्यूटी बखूबी निभा रहे हैं।

नक्सल-मुक्त घोषित प्रमुख क्षेत्र

छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र ने कुछ समय पहले ही राज्य के सबसे दुर्गम माने जाने वाले इलाकों को नक्सल-मुक्त घोषित किया है। अक्टूबर 2025 में इन क्षेत्रों को आधिकारिक तौर पर नक्सल आतंक से मुक्त घोषित कर दिया गया था। मार्च 2026 तक बीजापुर को 'अंतिम युद्ध का मैदान' माना जा रहा था, लेकिन 8 अप्रैल 2026 की समीक्षा के बाद बीजापुर सहित देश के किसी भी जिले को अब 'नक्सल हिंसा प्रभावित श्रेणी' में नहीं रखा गया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एआई मंच, चौबीसों घंटे स्वास्थ्य पर रखेगा नजर

नई दिल्ली/चेन्नई। दक्षिण भारत में स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चिकित्सकों की अगुवाई वाला कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एक मंच रविवार को चेन्नई में शुरू किया गया। इसकी मदद से अस्पताल के बाहर भी मरीजों के स्वास्थ्य पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा सकेगी। इस पहल का उद्देश्य दीर्घकालिक बीमारियों से ग्रस्त मरीजों के स्वास्थ्य पर नजर रखना है ।

अभिनेता मनियनपिल्ला राजू को राहत

तिरुवनंतपुरम। 'हिट एंड रन' मामले में आरोपी अभिनेता मनियनपिल्ला राजू के रक्त परीक्षण के नतीजों से पता चला है कि वह हादसे के समय शराब के नशे में नहीं थे। यह घटना पांच फरवरी की है, जब राजू द्वारा चलाई जा रही एक कार ने तिरुवनंतपुरम में एक दोपहिया वाहन को कथित तौर पर टक्कर मार दी। वह घायल हुए दो युवकों की मदद किए बिना घटनास्थल से फरार हो गए।

कांग्रेस की काली करतूत के कारण 17 अप्रैल एक काला अध्याय बना : अरुण सिंह

विपक्ष ने नारी शक्ति के साथ घोर अन्याय किया, हम उन्हें हक दिलाकर रहेंगे: साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में पारित होने से रोककर इंडी गठबंधन ने नारी शक्ति के साथ घोर अन्याय किया है। इसके लिए देश की नारी शक्ति कभी नहीं माफ नहीं करेगी। भाजपा महिलाओं को हक दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी और उनको हक दिलाकर रहेगी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा, महिला आरक्षण से जुड़े नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस के नकारात्मक रवैए और काली करतूत के चलते 17 अप्रैल की तारीख एक काले अध्याय के रूप दर्ज हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर ▶▶|शेष पेज 6 पर

कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के साथ गद्दारी की : अरुण सिंह

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा, कांग्रेस ने महिला आरक्षण का विरोध करके देश की महिलाओं का अपमान किया है और देश की महिलाएं अपने इस अपमान को सदैव याद रखकर कांग्रेस को सबक सिखाएंगीं। श्री सिंह ने कहा, जब-जब महिलाओं के हित और अधिकारों की बात आई, कांग्रेस ने सदैव महिलाओं को प्रताड़ित करने का काम ही किया। शाहबानो प्रकरण, ट्रिपल तलाक कानून जैसे विषयों को लेकर कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के साथ गद्दारी की है। महिला आरक्षण को लेकर तीन दशकों तक चली प्रक्रिया की विस्तृत चर्चा करके श्री सिंह ने कहा, हर बार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इसका विरोध किया और महिला ▶▶|शेष पेज 6 पर

भाई झालमुड़ी खिलाओ...

पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय लोकप्रिय स्ट्रीट फूड झालमुड़ी का आनंद लिया। चार रैलियों के बाद वह झाड़ग्राम में एक छोटी सी दुकान के पास रुके, जहां उन्होंने झालमुड़ी खाई और आसपास मौजूद लोगों को भी यह नाश्ता बांटा।

सड़क सुरक्षा मजबूत करने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्देश

हादसों पर कोर्ट सख्त, कहा-खतरे का गलियारा न बनें एक्सप्रेस-वे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए कई निर्देश जारी करते हुए कहा है कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने कहा कि देश की सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो प्रतिशत राष्ट्रीय राजमार्ग हैं लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है। पीठ ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सड़कें अधिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

पक्के शोल्डर पर पार्क नहीं होगी

कोई भी भारी या कमर्शियल गाड़ी नेशनल हाईवे के कैरिजवे या पक्के शोल्डर पर पार्क नहीं होगी, न रुकेगी। किसी तय जगह, ले-बाय पर ही गाड़ियां रुकेंगी। निर्देश को लागू करने का काम एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए किया जाएगा। इसमें राज्य पुलिस को रियल-टाइम अलर्ट भेजना, जीपीएस टाइमस्टैम्प वाले फोटो सबूत और इंटीग्रेटेड ई-चालान बनाना शामिल है।

चारधाम यात्रा शुरू, पहली पूजा पीएम मोदी के नाम

गंगोत्री, यमुनोत्री के खुले कपाट,गैर सनातनियों की नो एंट्री

एजेंसी ▶▶| देहरादून

छह माह बंद रहने के बाद अक्षय तृतीया के पर्व पर रविवार को गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ फिर से खोल दिए गए तथा इसके साथ ही उत्तराखंड में इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो गई। इस वर्ष पहली बार गंगोत्री सहित तीन धामों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर प्रतिबंध और विशेष शर्तें लागू की गई हैं। उत्तरकाशी जिले में स्थित दोनों धामों में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। गंगोत्री मंदिर के कपाट खुलने के मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पहुंचे और चारधाम यात्रा के

सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगोत्री मंदिर के कपाट अपराह्न करीब 12:15 बजे तथा यमुनोत्री मंदिर के कपाट 12:35 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस दौरान दोनों धामों में मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु 'हर-हर गंगे' और 'जय मां यमुना' के जयकारे लगा रहे थे। मुख्यमंत्री धामी ने गंगोत्री धाम में प्रधानमंत्री मोदी के नाम से पहली पूजा कर देश और प्रदेश की समृद्धि की प्रार्थना की। धामी ने कहा कि उत्तराखंड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केंद्र हैं और राज्य सरकार ने यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को दिव्य धामों का आशीर्वाद मिलने के साथ ही उनकी यात्रा का अनुभव सुरक्षित, सुखद और यादगार हो।

मोबाइल और कैमरे पर बैन

इसके अलावा, इस बार चारों धामों के मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन और कैमरों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। पिछले वर्ष चारधाम यात्रा में 51 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि इस वर्ष अब तक करीब 19 लाख श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण करा चुके हैं। उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित ये चारों धाम सर्दियों में भारी बर्फबारी और भीषण ठंड के कारण हर साल अक्टूबर-नवंबर में बंद कर दिए जाते हैं और अप्रैल-मई में पुनः श्रद्धालुओं के लिए खोले जाते हैं।

22 को केदारनाथ, 23 को खुलेंगे बदरीनाथ के कपाट

उत्तराखंड के चारधामों में शामिल अन्य दो धाम-रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ मंदिर के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे। चमोली जिले के बदरीनाथ मंदिर के कपाट 23 अप्रैल को खोले जाएंगे।

चिंतन

सड़कों को न बनने दें 'मौत' का गलियारा

देश में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या अब एक सामान्य बात नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारी प्रशासनिक व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग और कानून के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी ताजा निर्देश केवल कानूनी आदेश नहीं, बल्कि एक चेतावनी हैं। यह चेतावनी उस सिस्टम के लिए है, जिसने सड़कों को सुरक्षित बनाने के बजाय कई जगहों पर उन्हें मौत का गलियारा बनने दिया। अदालत ने साफ कहा है कि एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे "खतरे के गलियारे" नहीं बनने चाहिए। यह टिप्पणी यूं ही नहीं आई। इसके पीछे वे दर्दनाक हादसे हैं, जिनमें एक ही दिन में दर्जनों लोगों की जान चली जाती है। राजस्थान, हरियाणा, यूपी और तेलंगाना की हालिया घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी सड़कों पर खतरा केवल वाहन चलाने की गलती से नहीं, बल्कि अव्यवस्थित सिस्टम और लापरवाही से भी पैदा होता है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि देश की कुल सड़क लंबाई में नेशनल हाईवे का हिस्सा महज 2% है, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 30% है। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि समस्या कितनी गहरी है। हाईवे, जो तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए बनाए जाते हैं, वही सबसे ज्यादा जानलेवा साबित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा-निर्देश दिए हैं, वे इस समस्या के मूल कारणों को संबोधित करते हैं। भारी और कमर्शियल वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग पर रोक, अवैध ढाबों और निर्माणों को हटाने का आदेश, एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए निगरानी। ये सभी कदम न केवल जरूरी हैं, बल्कि लंबे समय से लंबित भी थे। खासकर हाईवे के किनारे अवैध निर्माण और बिना योजना के विकसित ढाबे, अक्सर हादसों का बड़ा कारण बनते हैं, लेकिन भारत में समस्या आदेशों की कमी नहीं, उनके क्रियान्वयन की है। पहले भी सड़क सुरक्षा को लेकर कई गाइडलाइंस और नियम बनाए गए, लेकिन उनका असर सीमित ही रहा। कारण साफ है, जिम्मेदार एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी और जवाबदेही का अभाव। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राज्य पुलिस, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन इन सभी की भूमिकाएं स्पष्ट हैं, लेकिन जब हादसा होता है, तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। अदालत ने इस बार टास्क फोर्स और एसओपी के जरिए इस कमी को दूर करने की कोशिश की है। केवल सिस्टम लगाना पर्याप्त नहीं, उसका सही उपयोग और नियमित निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। सड़क सुरक्षा को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भी अधूरा दृष्टिकोण है। इसमें आम नागरिकों और वाहन चालकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ट्रैफिक नियमों का पालन, ओवरस्पीडिंग से बचाव और सड़क पर अनुशासन, ये सभी पहलू हादसों को कम करने में मदद कर सकते हैं, लेकिन यह भी सच है कि जब सिस्टम ही अव्यवस्थित हो, तो व्यक्तिगत सावधानी भी कई बार पर्याप्त नहीं होती। हाईवे केवल विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व भी हैं। अंततः, सड़कें केवल दूरी कम करने का माध्यम नहीं होतीं, वे जीवन से जुड़ी होती हैं। अगर इन सड़कों पर सफर करना जोखिम भरा हो जाए, तो विकास का पूरा मॉडल ही सवालों के घेरे में आ जाता है। इसलिए जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को सख्ती से लागू किया जाए और सड़क सुरक्षा को नीतिगत प्राथमिकता बनाया जाए, क्योंकि हर हादसा सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक परिवार की अपूरणीय क्षति होती है और इसे रोकना ही असली जिम्मेदारी है।

मुद्दा
अवधेश कुमार

महिला आरक्षण की फिर वही परिणति

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है, जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो, निष्कर्ष यही है, वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है, किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता।

लगभग 12 वर्षों के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है, जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो, निष्कर्ष यही है, वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है, किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता।

इसके लिए हमें 2034 की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। दरअसल, 2023 के अधिनियम में यह प्रावधान था कि अगली जनगणना और फिर परिसीमन हो जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा। तब अनुमान यह था कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया 2029 तक पूरी हो चुकी होगी, इसलिए इसे लागू करने में समस्या नहीं होगी। चूंकि यह पूरी नहीं हुई तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे संविधान संशोधन के जरिए तत्काल लागू करने का रास्ता चुना। पूरे प्रकरण का कठोर सच यह है कि इन तीनों विधेयकों में ऐसा कुछ नहीं था, जिसको आशंका की दृष्टि से देखा जाए और जिसका इस सीमा तक विरोध हो कि काले झंडे और काले बिल्ले तक पार्टियां व सांसद लगा लें। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा की सीटों की अधिकतम संख्या को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान करता था। इनमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें थीं। दूसरा,परिसीमन विधेयक, 2026 नई जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए परिसीमन आयोग के गठन का प्रावधान करता था। तीसरा, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए था। विपक्ष का मुख्य विरोध पहले विधेयक से था।

वस्तुतः संसद का विशेष सत्र आरंभ होने के पहले ही विपक्ष ने अविश्वसनीय रूप से विरोधी रुख अपनाकर अपने संसदीय व्यवहार का संकेत दे दिया था। विपक्ष के सभी नेताओं ने, जिनमें महिला सांसद भी शामिल हैं, नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन संबंधी विधेयकों का जैसा विरोध किया, उसमें साफ हो गया कि इसका पारित होना संभव नहीं है। भाजपा के मंत्रियों ने विपक्ष के नेताओं से बात करनी शुरू की। स्वयं प्रधानमंत्री ने दो पोस्ट से अपील की। इसके पहले वे अपने भाषण में अपील कर चुके थे कि श्रेय आप लोग ले लीजिए, लेकिन महिला आरक्षण में बाधा मत बनिए, लेकिन विपक्ष पहले से मन बनकर बैठा था। उन्होंने अपनी अपील में लिखा कि अपने घर में मां-बहन, बेटी -पत्नी सबको देखिए और उनके अधिकार के लिए विचार कर मतदान करिए। निष्पक्ष होकर विवेक, तथ्य और तर्क के साथ विचार करने वालों का निष्कर्ष है कि पूरा विरोध एकपक्षीय अतिवाद से ग्रस्त रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो इसे देश विरोधी और देश को बांटने वाला विधेयक तक करार दिया। उन्होंने कहा कि ये देश

का भूगोल बदलना चाहते हैं, जो हम कभी नहीं होने देंगे। इससे अधिक अतिवादी वक्तव्य और कुछ नहीं हो सकता। अगर इरादा विधेयक पर बहस कर इसमें उचित संशोधन करना हो तो आपके भाषण में उससे संबंधित सुझाव होते हैं। सरकार की राजनीतिक आलोचना में समस्या नहीं है, किंतु पूरी बहस सामान्य आलोचना ही नहीं, विधेयक के विषय वस्तु से भी काफी दूर चला गया था। प्रश्न उठाया जा रहा था कि आखिर 850 सीटों का आपका आधार क्या है? इसी तरह के दक्षिण के राज्यों को इसमें नजरअंदाज किया जा रहा? बजट सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत शुरू की तो बताया होगा कि हर राज्य की 50% लोकसभा एवं विधानसभा की सीटें बढ़ाने का फार्मूला तय हुआ है। आज परिसीमन हो तो लोकसभा एवं विधानसभाओं की कितनी सीटें बढ़ सकतीं हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से 120 हो रही हैं तो तमिलनाडु की 39 से 59। इसी तरह अन्य राज्यों के भी विवरण दिए गए। हंगामा इस पर भी था कि 2011 की जनगणना को आधार क्यों बनाया गया? गृह मंत्री का उत्तर था कि 2011 की जनगणना का आधार बनाते तो तमिलनाडु की सीट केवल 49 होती। यहां दो बातें समझने की हैं। एक, वर्तमान 543 सीटों में 33% आरक्षण क्यों नहीं दिया गया? 2023 में जब विधेयक पारित हुआ तभी उसमें जनगणना और परिसीमन का प्रावधान था। विपक्ष ने विरोध क्यों नहीं किया? 1996 से उसके विरोध के पीछे सबसे बड़ा कारण यही था कि आपसी बातचीत में नेता बोलते थे कि 543 में से 33% महिलाओं को मिल गया तो अनेक पुरुष नेताओं को घर बैठ जाना पड़ेगा और राजनीति का नाश हो जाएगा। पिछड़ों के आरक्षण आदि का बहाना बनाया गया, तो पुराने अनुभवों का ध्यान रखते हुए मोदी सरकार ने रास्ता निकाला कि 543 सीटें जस की तस रहें और बढ़ी 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, सहमति हुई तभी 2023 में कानून बन सका।

आज यह तर्क देने वाले अपनी सरकारों में इसके लिए तैयार नहीं थे। 1996 में विरोध करने वाले उस संयुक्त मोर्चा सरकार के साथी थे तो 2008 से 2010 तक विरोध करने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साथी। इनमें समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कुछ समय तक जनता दल यूनाइटेड अग्रणी रहे। दूसरे दलों के सांसद भी साथ देते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 1998 और 1999 में महिला आरक्षण विधेयक चलाया किंतु आम सहमति नहीं बन सकी। 2010 में राज्यसभा में भाजपा के समर्थन से विधेयक पारित हुआ, किंतु उनके साथी दलों ने विरोध किया और लोकसभा में पारित करना मुश्किल था। दूसरे, हर 10 वर्ष पर संविधान लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों के जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का प्रावधान करता है। 1971 तक नियमित होता रहा। 1976 में आपातकाल के समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार ने 42वां संशोधन कर 2001 तक लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटें न बढ़ाने का प्रावधान कर दिया। अगर दल वाकई महिला आरक्षण के पक्ष में होते तो विरोध जताते हुए कुछ संशोधन डालकर पारित कर देते। सीटों की संख्या की लिखित गारंटी के प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि आप विधेयक पारित करते हैं तो हम नया संशोधन सीटों की संख्या डालकर पेश करने को तैयार हैं।

वास्तव में कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को दिखाना था कि हम संसद में नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित कर सकते हैं। किसी नेता ने महिलाओं को आरक्षण न मिलने पर अफसोस प्रकट नहीं किया। महिलाओं के आरक्षण पर विरोधियों का जो रुख हमने 1996 से देखा, लगभग वही अलग रूपों में फिर संसद में था और इसी की परिणति विधेयक के गिरने के रूप में सामने आई।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आधी दुनिया
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सत्ता में महिलाओं की भागीदारी वैश्विक औसत से बहुत दूर

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी ओर विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताया है। हालांकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर, यह अलग बहस का विषय हो सकता है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो हमारे देश का स्थान 147वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष हैं तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं, जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं, वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं, जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती-जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी ओर करने की रही है। यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहें या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें, पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक बढ़ नहीं पाई है। 2009 की 15वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी आगे नहीं पहुंचा था। 15वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो उसकी भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। राज्यों ककी बात करें तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में हैं। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य हैं।

त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य हैं। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं हैं। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है, जहां सबसे कम महिला सदस्य हैं। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य हैं। इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी, तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता-जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं हैं, जहां महिलाओं की सीटें आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। यदि महिलाओं की सत्ता में सहभागिता बढ़ानी है तो महिला सीटों का आरक्षण करना ही होगा। राजनीतिक दलों को आपसी आग्रह दुराग्रहों से हटकर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। गैरसरकारी संगठनों को भी इस दिशा में देश में माहौल बनाना चाहिए। यह अवश्य है कि आरक्षण की सीमा आपसी समन्वय व विचार-विमर्श से सर्वसम्मति से तय होता है तो यह बेहतर लोकतांत्रिक परंपरा होगी। यह साफ है कि अब समय आ गया है जब महिलाओं की हिस्सेदारी तय होनी ही चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

संकलित
दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

एक लकड़ी का कटोरा

संकलित
प्रेरणा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु-बेटे के यहां शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। बूढ़ा पिता वहीं अकेले में बैठ कर अपना भोजन करने लगा, यहां तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने ज़मीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखा- तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आँखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

अंतर्मन

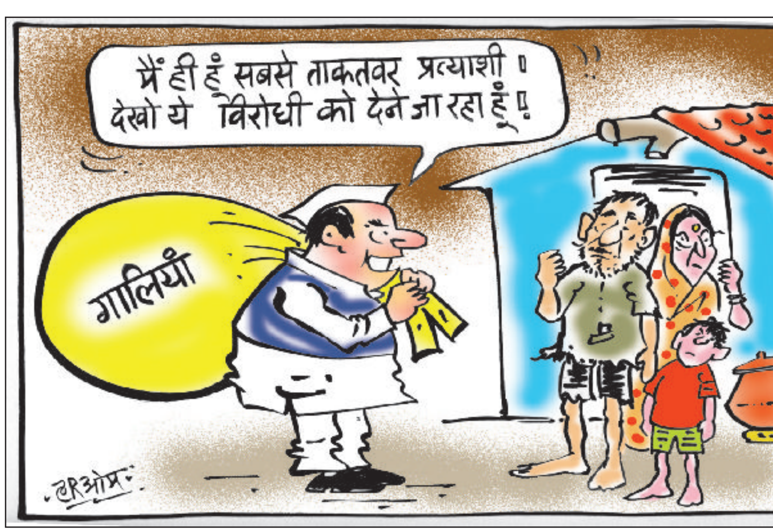

आज की पाती

भारत की धरोहरों को और निखारने की जरूरत

दुनिया भर में विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स ने इसकी शुरुआत की थी। जब इस दिवस को यूनेस्को ने मंजूरी दी थी, तब से यह दिवस हर वर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों की संभाल करना और इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना भी है। हमारे देश में भी बहुत सी ऐसी धरोहरें हैं जो दुनिया के आकर्षण का केंद्र हैं। इनमें मुख्यतः अजंता एलोरा की गुफाएं, दिल्ली का कुतुब मीनार व आगरा का ताजमहल इत्यादि शामिल हैं। और भी ऐसी बहुत सी धरोहरें हैं। भारत की धरोहरों को और निखारने की जरूरत भी है। ये धरोहरें देश की सभ्यता-संस्कृति की पहचान करवाती हैं।

- मिलिंद जोशी, बिलासपुर

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया एवं जापान ने यह जानकारी दी। ये मिसाइल ऐसे समय में दागी गई हैं जब कुछ दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने परमाणु हथियार बनाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों में 'बेहद गंभीर'' प्रगति की चेतावनी दी थी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' (जेसीएस) ने बताया कि उत्तर कोरिया के सिनपो क्षेत्र से दागी गईं ये मिसाइलें देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र की दिशा में करीब 140 किलोमीटर (87 मील) तक गईं। जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया की उकसाने वाली हर प्रकार की कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार है और वह अमेरिका एवं जापान के साथ सूचनाओं का निकटता से आदान-प्रदान कर रहा है। दक्षिण कोरिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार किए जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की आपात बैठक में चिंता जताई और उससे इन्हें तुरंत रोकने का आग्रह किया। ये प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के भारत और वियतनाम की यात्रा के लिए रवाना होने से कुछ घंटे पहले किए गए।

ऑफ बीट

क्या माउथवॉश हृदय के लिए हानिकारक होता है?

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में दावा किया गया है कि माउथवॉश से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है और हृदय की सेहत को नुकसान हो सकता है। कुछ वीडियो के अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि माउथवॉश मुंह के उन अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देता है, जो हृदय और रक्त-प्रणाली के लिए जरूरी होते हैं। यह सुनने में चौंकाने वाला लग सकता है लेकिन आपको अभी अपना माउथवॉश फेंकने की जरूरत नहीं है। सच्चाई इससे कहीं ज्यादा जटिल है। हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं। ये सभी मिलकर एक संतुलित और विविध प्रकार के 'माइक्रोबायोम' बनाते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया की बढ़त को रोकते हैं, सामान्य 'मेटाबॉलिज्म' में मदद करते हैं और मुंह व शरीर की कुल सेहत को बेहतर बनाते हैं। इन बैक्टीरिया का एक अहम काम है हमारे भोजन (खासकर हरी पत्तेदार सब्जियों) में मौजूद नाइट्रेट को नाइट्राइट में बदलना। जब हम नाइट्राइट निगलते हैं, तो शरीर इसे नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। यह प्रक्रिया नाइट्रेट-नाइट्राइट-नाइट्रिक ऑक्साइड प्रक्रिया (या एंटरोसैलिवरी प्रक्रिया) कहलाती है। यह एक उदाहरण है कि बैक्टीरिया कैसे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

ट्रेंड

महिला आरक्षण कानून

डीएमके, कांग्रेस और टीएमसी ने संसद में 33% महिला आरक्षण कानून को पारित नहीं होने दिया, लेकिन हम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण अवश्य प्रदान करेंगे।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

बंगाल में दयनीय स्थिति

बंगाल में हत्या के प्रयास के मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि एसिड अटैक, बाल अपराध, बलात्कार, डकैती, लूट और चोरी की घटनाएं पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक हो रही हैं। "मां, मां और मिट्टी" की बात करने वाली ममता दीदी ने इन स्थितियों को बेहद दयनीय बना दिया है।

- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

तमिल पहचान की रक्षा

परिसीमन भाजपा द्वारा संसद में तमिलनाडु, दक्षिणी राज्यों और पूर्वोत्तर के प्रतिनिधित्व को कम करने का एक स्पष्ट प्रयास था। हमने संसद में इसे रोका और भारत की अवधारणा पर इस हमले को विफल कर दिया। इंडिया अलायंस हमेशा तमिल पहचान की रक्षा करेगा।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

बेटियों की हार

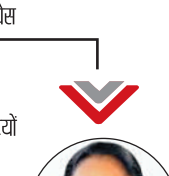

विपक्ष को यह स्पष्ट करना होगा कि बेटियों की हार लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है? देश की महिलाओं की हार हुई है, उनका सम्मान और आत्मसम्मान छिन गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र की जीत कैसे कह सकता है?

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बंगाल रण का पहला चरण

बंगाल की 152 सीटों पर 1478 योद्धा मैदान में उत्तर बंगाल और जंगलमहल बना 'हॉटस्पॉट'

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर मतदान होगा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बंगाल विधानसभा चुनाव की 294 सीटों में से पहले चरण में 152 सीटों पर आगामी 23 अप्रैल को मतदान होना है। निर्वाचन आयोग द्वारा नामांकन प्रक्रिया और स्क्रूटिनी (जांच) पूरी होने के बाद मैदान में अब कुल 1,478 प्रत्याशी शेष हैं। इस चरण में उत्तर बंगाल के सभी जिलों सहित जंगलमहल और दक्षिण बंगाल के कुछ हिस्सों में सत्ता की कड़ी परीक्षा होनी है। आयोग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं ताकि पहले चरण का मतदान निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो पहले चरण का यह रुझान राज्य की सत्ता के अंतिम समीकरण तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

नामांकन और स्क्रूटिनी का गणित

चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले चरण के लिए कुल 1,525 उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किए थे। गहन जांच के बाद 47 नामांकन विभिन्न कारणों से खारिज कर दिए गए। उल्लेखनीय है कि कई प्रत्याशियों ने बैकअप के तौर पर एक से अधिक बार नामांकन किया था। आयोग की अंतिम सूची के अनुसार, कुल 1,478 वैध प्रत्याशी चुनावी समर में ताल ठोक रहे हैं।

कहीं प्रत्याशियों का जमावड़ा कहीं मैदान खाली

पहले चरण में चुनावी प्रतिद्वंद्विता का दिलचस्प स्वरूप देखने को मिल रहा है। कूचबिहार दक्षिण और उत्तर दिनाजपुर की इटाहार सीट पर सबसे कड़ा मुकाबला है, जहां सर्वाधिक 15-15 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, पश्चिम मेदिनीपुर की चंद्रकोना सीट पर सबसे कम केवल 5 उम्मीदवार मैदान में हैं। हाई-प्रोफाइल सीटों की बात करें तो नंदीग्राम में मुकाबला बेहद रोचक है, जहां 11 प्रत्याशियों के बीच जंग होगी।

भौगोलिक विस्तार और राजनीतिक महत्व

23 अप्रैल को होने वाले इस मतदान में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर व दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जैसे उत्तर बंगाल के जिलों के साथ-साथ झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुड़ा और बीरभूम जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे।

मतदाता सूची में जुड़े करीब 7 लाख नए वोटर

पश्चिम बंगाल में दो चरणों के लिए होने वाली वोटिंग की तारीखें अब बेहद करीब हैं। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है, लेकिन इससे ठीक पहले चुनाव आयोग ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। आयोग के मुताबिक, बंगाल की फाइनल वोटर लिस्ट में करीब 7 लाख नए वोटरों के नाम जुड़ गए हैं। इस अपडेट के बाद राज्य में कुल वोटरों की संख्या बढ़कर 6,82,51,008 हो गई है।चुनाव आयोग ने इन 7 लाख नए वोटरों का कुल आंकड़ा तो जारी कर दिया है, लेकिन उनकी पूरी प्रोफाइल की जानकारी साझा नहीं की है। आयोग ने अभी तक यह नहीं बताया है कि इनमें कितनी महिलाएं हैं और कितने पुरुष हैं। इसके अलावा सबसे अहम जानकारी यानी पहली बार वोट डालने वाले 18 साल के युवाओं की संख्या भी सामने नहीं आई है।

वोटिंग बूथ के 100 मीटर के दायरे में 'नो एंट्री'

पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव सिर्फ वोट डालने तक सीमित नहीं रहने वाले, बल्कि सुरक्षा और सख्ती का स्तर भी बिल्कुल अलग दिखेगा। इस बार चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि अब वोटिंग बूथ के 100 मीटर के दायरे में 'नो एंट्री' लागू होगी। आसान भाषा में समझें तो हर पोलिंग बूथ के चारों तरफ 100 मीटर का एक घेरा बनाया जाएगा, जिसे 'लक्ष्मण रेखा' कहा जा रहा है। इस लाइन को सफेद चॉक से जमीन पर साफ-साफ खींचा जाएगा। इस रेखा के अंदर बिना इजाजत कोई नहीं जा सकेगा। सीमा पर ही दो जांच डेस्क लगाए जाएंगे। यहां बूथ लेवल ऑफिसर बैठेंगे. वे वोटर का नाम, पहचान पत्र और बाकी जानकारी चेक करेंगे। जब सब कुछ सही मिलेगा, तभी उस व्यक्ति को 'लक्ष्मण रेखा' पार करने की अनुमति दी जाएगी और वह वोट डालने बूथ तक जा सकेगा।

हर हरकत का होगा डिजिटल हिसाब

इस बार चुनाव में सिर्फ पुलिस या सुरक्षाकर्मी ही नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी भी बड़ी भूमिका निभाएगी। जगह-जगह एआई कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे किसी भी संदिग्ध हरकत, भीड़ या गड़बड़ी को तुरंत पकड़ लेंगे और अधिकारियों को अलर्ट भेजेंगे। इसके साथ ही पुलिस के जवानों को बॉडी कैम दिए जाएंगे, जिससे उनकी हर गतिविधि रिकॉर्ड होगी। इसका फायदा यह होगा कि अगर कहीं कोई विवाद होता है, तो उसका पूरा सबूत मौजूद रहेगा।

तृणमूल-भाजपा का एक-दूसरे पर धमकी देने का आरोप

कोलकाता। बंगाल में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस व मुख्य विपक्षी भाजपा ने एक-दूसरे पर धमकी भरे बयान देने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में शिकायतें दर्ज कराई हैं। तृणमूल ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री व भाजपा नेता हिमंता बिस्वा सरमा ने बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ व धमकी भरे बयान दिए। यह चुनाव आचार संहिता, भारतीय न्याय संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 के प्रावधानों का उल्लंघन है। दूसरी तरफ भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख व बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने बंगाल के शिक्षा मंत्री व तृणमूल नेता ब्रात्य बसु के एक बयान को लेकर उनपर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा प्रत्याशी पर जबरन प्रचार का आरोप

कोलकाता की मानिकतल्ला विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी तापस राय पर आवासीय परिसरों में जबरन घुसकर चुनाव प्रचार करने का आरोप लगा है। फूलबगान इलाके के दो आवासीय परिसरों के वाशिंदा ने इसे लेकर फूलबगान थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि तापस राय बिना अनुमति के आवासीय परिसरों में जबरन घुस गए। सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने पर उन्हें धमकी दी। उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी तरफ तापस राय ने आरोप को सिरे से खारिज किया है।

बंगाल में पीएम मोदी की हुंकार

तृणमूल ने महिलाओं के साथ किया 'विश्वासघात', चुनावों में मिलेगी सजा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तृणमूल कांग्रेस पर संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित होने से रोककर महिलाओं के साथ ''विश्वासघात'' करने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में महिलाएं सत्तारूढ़ दल को सजा देंगी। बांकुड़ा जिले के बिष्णुपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल ने कांग्रेस के साथ मिलकर उस विधेयक को पारित होने से रोका, जिसका उद्देश्य संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना था क्योंकि वह ''महिला सशक्तीकरण के खिलाफ'' है। उन्होंने कहा कि हमने देखा कि संसद में तृणमूल ने महिलाओं के साथ किस तरह विश्वासघात किया।

बंगाल में टीएमसी का एजेंडा बहुत खतरनाक

पश्चिम बंगाल के झारग्राम में पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी जिस रास्ते पर चल रही है, उसका एजेंडा बहुत खतरनाक है। टीएमसी घुसपैठियों के लिए, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। एक ऐसी सरकार जो सिर्फ घुसपैठियों का मजहब, घुसपैठियों की भाषा और घुसपैठियों के तौर-तरीकों की रक्षा करेगी। उस घुसपैठिया सरकार के लिए अगर कोई दुश्मन होगा तो यहां बैठे हुए भाई-बहन ही घुसपैठियों के दुश्मन होंगे।

चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे

ममता बोलीं- पीएम ने राष्ट्र संबोधन में चुनाव प्रचार किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी का 'गलत इस्तेमाल' करने का आरोप लगाया। हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा कि मोदी ने महिला आरक्षण बिल के संबंध में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के जरिए भाजपा का प्रचार किया। हम चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे।बंगाल सीएम ममता ने रविवार को कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम ने अपने संबोधन में देश को गुमराह करने का रास्ता चुना। हम परिसीमन की उस प्रक्रिया का विरोध करते हैं, जिसे मोदी सरकार महिलाओं को ढाल बनाकर आगे बढ़ाने की साजिश रच रही थी। यह संघीय लोकतंत्र पर एक हमला है। और हम इसे चुपचाप होते हुए नहीं देखेंगे।

टीएमसी महिलाओं के हितों की रक्षक

ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के लिए ज़्यादा राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत की है। संसद और राज्य विधानसभा, दोनों में ही हमारे यहां चुनी हुई महिला प्रतिनिधियों का अनुपात सबसे ज्यादा है। लोकसभा में, हमारे चुने हुए सदस्यों में से 37.9% महिलाएं हैं। राज्यसभा में, हमने 46% महिला सदस्यों को नामित किया है। महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता, और न कभी उठा है।

सरकार पर साधा निशाना

तमिलनाडु में कठपुतली सरकार चाहती है भाजपा : राहुल

एजेंसी ▶▶| रानीपेट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के रानीपेट में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा राज्य में अन्नाद्रमुक को एक 'मुखौटे' की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में एक ऐसी 'कठपुतली सरकार' स्थापित करना चाहती है जो पूरी तरह से पीएम मोदी और अमित शाह के इशारों पर चले। उनके अनुसार, अन्नाद्रमुक के नेता भ्रष्टाचार के मामलों के कारण केंद्र के दबाव में हैं, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई है और वे राज्य के हितों की रक्षा करने में असमर्थ हैं। पीएम मोदी स्वतंत्र नहीं हैं, बल्कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर करके प्रधानमंत्री ने देश के हितों के साथ समझौता किया है।

स्टालिन स्वतंत्र नेता, पीएम नहीं डरा सकते

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का पक्ष लेते हुए राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री जानते हैं कि वे स्टालिन को न तो डरा सकते हैं और न ही नियंत्रित कर सकते हैं, क्योंकि वे एक स्वतंत्र नेता हैं। राहुल ने संसद में हालिया बहस का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष के सामने प्रधानमंत्री का आत्मविश्वास पूरी तरह खोया हुआ नजर आया। उन्होंने विश्वास जताया कि चार मई को चुनाव परिणाम आने पर द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन की भारी जीत होगी और भाजपा का 'नियंत्रण' करने का सपना टूट जाएगा।

केरलम बम हमला मामला

2011 के थिमिरी बम हमले के मामले में आया फैसला

भाजपा व संघ कार्यकर्ताओं पर बम फेंकने वाले 10 माकपाइयों को 25 साल की जेल

एजेंसी ▶▶| कन्नूर

केरलम की एक अदालत ने 2011 के थिमिरी बम हमले के मामले में माकपा के 10 कार्यकर्ताओं को 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एन. प्रशांत ने कन्नूर जिले के अलाकोडे के पास थिमिरी में हुए हमले से संबंधित मामले में सुनाया, जहां संघ और भाजपा के कार्यकर्ताओं पर बम फेंके गए थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह हमला सुनियोजित था और क्षेत्र में राजनीतिक हिंसा की व्यापक श्रृंखला का हिस्सा था।

इन आरोपियों को सुनाई गई सजा

टी.वी. बिनु उर्फ ''उदुम्ब बिनु'' समेत सभी 10 दोषियों को 25 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। हालांकि, अदालत ने नौ दोषियों को सुनाई गई सजाओं को साथ काटने की अनुमति दी, जिससे उनकी कुल कारावास अवधि घटकर 10 साल हो गई। हमले की घटना 27 नवंबर 2011 को थिमिरी कॉलेज के पास घटी थी, जब संघ-भाजपा कार्यकर्ताओं को ले जा रहे वाहन पर बम फेंका गया था।

30 कार्यकर्ताओं में 9 हुए थे गंभीर घायल

अभियोजक के अनुसार, यह हमला इलाके में संघ की शाखा खोलने को लेकर हुई तीखी बहस के बाद हुआ। इससे एक दिन पहले ही तनाव बढ़ गया था और दोनों गुटों के बीच झड़पें हुई थीं। अभियोजन पक्ष ने आगे बताया कि घटना के समय वाहन में लगभग 30 कार्यकर्ता सवार थे, जिनमें से नौ विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हो गए।

केरलम बम हमले में 10 माकपा सदसयों को सजा

इस हमले में शामिल टीवी बिनु की गिनती इलाके के प्रभावशाली कैडरों में होती थी, जिसके कारण शुरुआत में गवाहों को डराने-धमकाने के आरोप भी लगे। लंबे समय तक चले इस मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 22 गवाहों को पेश किया। वहीं, हमले में इस्तेमाल किए गए बमों के अवशेष व फोरेंसिक सबूत अदालत के सामने रखे। इस मामले की खास बात यह रही कि थलिपरम्बा की अतिरिक्त जिला अदालत ने आरोपियों को न केवल 'हत्या के प्रयास' बल्कि 'विस्फोटक पदार्थ अधिनियम' की विभिन्न धाराओं के तहत भी दोषी पाया।

उखरुल में उग्रवादी हमले में दो लोगों की मौत

मणिपुर में उग्रवादी हमला : रिटायर्ड सैनिक समेत दो की मौत, तीन घायल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा की बड़ी घटना सामने आई है। उखरुल जिले में नेशनल हाईवे-202 पर उग्रवादियों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक सेवानिवृत्ति भारतीय सेना का जवान भी शामिल है। इस मामले में तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हमला दोपहर करीब 2:30 बजे लेइंगांगचिंग और टीएम कासोम के बीच हुआ, जब हथियारबंद हमलावरों ने इंफाल से उखरुल जा रहे एक काफिले पर गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने दूर से स्नाइपर जैसे हथियार से निशाना साधा, जिससे यात्रियों को संभलने का मौका नहीं मिला।

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने कहा इस मामले की जांच एनआईए द्वारा कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने शांति बनाए रखने की अपील की

खेमचंद ने इन हत्याओं की निंदा करते हुए इन्हें निर्दोष लोगों की जान पर हमला बताया और कहा कि इस मामले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंप दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है

मृतकों में पूर्व सैनिक शामिल

हमले में जिन दो लोगों की मौत हुई है, उनमें एक रिटायर्ड आर्मी जवान शामिल है। एक अन्य घायल व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान ताशर गांव के नागा रेजिमेंट के रिटायर्ड जवान चाइनाओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारिंगम वाशुम के रूप में हुई है।

अजमेर में खाई में गिरी बस दो महिलाओं की मौत

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान के अजमेर जिले में रविवार को एक यात्री बस के खाई में गिर जाने से उसमें सवार दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि 31 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा पुष्कर के निकट हुआ। पुलिस ने बताया कि बस पुष्कर घाटी क्षेत्र में अनियंत्रित होकर करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई और पेड़ों तथा झाड़ियों में फंस गई। बस में कुल 33 यात्री सवार थे, जो अजमेर से पुष्कर के एक गांव में सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान पूजा (28) और विमला देवी (50) के रूप में हुई है। इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और कपड़ों से अस्थायी रस्सियां बनाकर घायलों को बाहर निकाला। बचाव कार्य राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, सिविल डिफेंस और स्थानीय पुलिस की टीमों द्वारा चलाया गया। हादसे के बाद पुष्कर घाटी क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा और लंबा जाम लग गया।

कर्नाटक में कावेरी नदी में डूबने से छह लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶| मैसुरु

कर्नाटक के मैसुरु जिले में कावेरी नदी में दो नाबालिगों समेत छह लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि यह घटना अर्केश्वर स्वामी मंदिर के निकट हुई, जब हजरत खादर लिंगवल्ली उर्स में शामिल होने आए लोगों का एक समूह नदी में तैरने चला गया। पुलिस ने मृतकों की पहचान बेंगलुरु निवासी ऐमन, केआर नगर निवासी अफीफ, बेंगलुरु निवासी यासीन, नेहा, ऊटी निवासी फातिमा और मैसुरु निवासी उमर (5) के रूप में की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''आठ लोग नदी में तैरने के लिए उतरे थे, जिनमें से छह डूब गए। दो लोगों को बचा लिया गया है और इलाज के लिए मैसुरु ले जाया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर है।''

खबर संक्षेप

93.6 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल टॉपर बनी रिद्धिमा

सिलदहा। मुंगेली जिले के ग्राम सिलदहा निवासी सुरेश वर्मा की पुत्री रिद्धिमा वर्मा कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड में 93.6 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता व गुरुजन को दिया है। रिद्धिमा शुरू से पढ़ाई के क्षेत्र में आगे रही है।

भथरी में भागवत कथा 22 से

तखतपुर। ग्राम भथरी के साहू निवास में 22 से 30 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन किया गया है जिसमें कथा वाचक पं मदन गोपाल पाठक होंगे। मुख्य यजमान नंदरानी संजय साहू हैं। आयोजन की तैयारी में संतोष साहू, सुनीता साहू, दयामती साहू, जमोत्री साहू, भरत साहू, अरमान साहू, राम खिलावन साहू, इतवारी साहू, पिल्लूराम साहू सहित अन्य जुटे हुए हैं।

लक्ष्मण बने विश्व हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

बोदरी। विश्व हिंदू महासभा ने छत्तीसगढ़ में अपने संगठन का विस्तार करते हुए बिलासपुर जिले के चकरभाठा क्षेत्र के कर्मठ समाजसेवी लक्ष्मण पाल को छत्तीसगढ़ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के आशीर्वाद और राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित विकास दुबे के दिशा-निर्देशों के तहत की गई है।लक्ष्मण पाल की नियुक्ति पर राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एवं कोर कमेटी सदस्य पंडित श्रवण दुबे ने कहा कि, लक्ष्मण पाल का धर्म के प्रति समर्पण और उनकी कार्यकुशलता पूरे प्रदेश के हिंदू समाज को एकजुट करने में मील का पत्थर साबित होगी।

कल्पना के कहानी संग्रह अनलॉकिंग 2020 का विमोचन

मल्हार। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा मल्हार के सभा कक्ष में कहानीकार कल्पना प्रसाद लिखित कहानी संग्रह 'अनलॉकिंग 2020' का विमोचन पातालेश्वर साहित्य समिति मल्हार के बैनर तले हुआ, जिसमें ओमप्रकाश पांडे, शेषनारायण गुप्ता, अकत राम सिन्हा, केसर देवांगन, रघुराज प्रसाद पांडे, दीपक जायसवाल एवं शाखा प्रबंधक अनिल कुमार की उपस्थिति रही। लेखिका कल्पना प्रसाद बीटेक ग्रेजुएट हैं, जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मल्हार शाखा में कर्मचारी हैं। उन्हें बचपन से ही लेखन के क्षेत्र से लगाव है। लेखिका के इस संग्रह में कुल 10 कहानियों का संग्रह है, जिसे उन्होंने कोविड काल की स्थितियां हालत एवं महामारी के विभिन्न खामोश पलों का प्रभाव स्पष्ट दिखता है। साथ ही लेखिका ने इन कहानियों में रिश्तों के ताने-बाने, जीवन की मिठास और उन पलों में मिलते हुए नन्हे नन्हे उम्मीद के खिलते फूलों से गुलजार छोटी-छोटी कहानी अपना अलग प्रभाव छोड़ने की कोशिश करती हैं। इस अवसर पर कल्पना प्रसाद को बुके एवं पेन भेंट कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर मौली मनहर, मधु कुर्रे, चेतन तिवारी, अशोक साव शामिल हुए।

निधन

करुणा शुक्ला

मुंगेली। न्यायालय उप अधीक्षक नरेंद्र कुमार शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती करुणा शुक्ला का 18 अप्रैल को निधन हो गया। वे अधिवक्ता सौम्य शुक्ला की माता थीं। उनका अंतिम संस्कार करही स्थित मुक्ति धाम में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वजातीय एवं नागरिक उपस्थित थे।

गणेश राम डहरिया

तखतपुर। जनकपुर रोड निवासी ग्रामीण बैंक के पूर्व ब्रांच मैनेजर गणेशराम डहरिया 67 वर्ष का 19 अप्रैल को निधन हो गया। वे दिव्यांस डहरिया ,हर्ष डहरिया, ममता डहरिया, मनीषा डहरिया के पिता, चैन दास, नरेश, सुरेन्द्र के भाई शीष डहरिया के बड़े पिता थे। इनका अतिंम संस्कार गृह ग्राम गुरुवाईन डबरी लालपुर में 20 अप्रैल को सुबह 9 बजे किया जाएगा।

डेरहाराम यादव

बिलासपुर। ग्राम महमंद निवासी डेरहाराम यादव का 74 साल की उम्र में 18 अप्रैल निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 अप्रैल को महमंद स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे गोपाल यादव, कृष्ण कुमार, बलराम, अभिमन्यू व दशरथ यादव के पिता थे।

राशिफल

मेष — नई जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाएं। भावनात्मक संतुलन बनाए रखें, धैर्य रखें तो सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृष — चंद्रमा अपनी राशि में होने से दिन प्रसन्नता भरा रहेगा। आर्थिक लाभ और सामाजिक सम्मान मिल सकता है। प्रेम संबंध मधुर रहेंगे।

मिथुन — संचार और बौद्धिक कार्यों में तेजी आएगी। यात्रा या नई योजनाएं बन सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, व्यर्थ खर्च से बचें।

कर्क — परिवार के साथ समय बिताएं। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे, स्वास्थ्य सामान्य।

सिंह — आत्मविश्वास और नेतृत्व गुण चमकेंगे। करियर में प्रगति के योग। रुके काम पूरे होंगे। प्रेम जीवन रोमांचक रहेगा।

कन्या — बौद्धिक कार्यों और सेवा भाव में सफलता। स्वास्थ्य सुधार पर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। माता-पिता का सुख मिलेगा, यात्रा शुभ।

तुला — साझेदारी और संबंधों में मिठास आएगी। व्यावसायिक सौदे फायदेमंद। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन निर्णय लेते समय सतर्क रहें।

वृश्चिक — रहस्यमयी और गहन विचारों का दिन। आर्थिक लाभ संभव। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। प्रेम में गहराई आएगी, लेकिन विवाद से दूर रहें।

धनु — यात्रा और उच्च शिक्षा में लाभ। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। करियर में नई संभावनाएं। पारिवारिक सुख मिलेगा, स्वास्थ्य ऊर्जावान रहेगा।

मकर — करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा में उन्नति। मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन भावनाओं को नियंत्रित रखें।

कुंभ — नई योजनाएं और दोस्तों का साथ सुखद। आर्थिक अवसर आएंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। रचनात्मक कामों में सफलता, मानसिक शांति बनी रहे।

मीन — अंतर्ज्ञान मजबूत होगा। आर्थिक और पारिवारिक मामलों में सुधार। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम संबंध गहरे होंगे, सकारात्मक रहें तो दिन शुभ।

ब्राह्मण विकास परिषद के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

वरिष्ठजन के मार्गदर्शन से संगठन को बनाएं और अधिक मजबूत: धर्मजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तखतपुर

छत्तीसगढ़ ब्राह्मण विकास परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विधायक धर्मजीत सिंह शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन का काम केवल पद हथियाना नहीं है बल्कि वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में और मजबूत बनाना होता है। सभी पदाधिकारी सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। उन्होंने समाज को 50 हजार रूपए की नकद राशि दी। पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष हर्षिता पाण्डेय ने कहा कि जो पदाधिकारी निर्वाचित हुए हैं उम्मीद है कि वे और भी ज्यादा ऊर्जा के साथ अपना दायित्व निर्वहन करेंगे तथा समाज को सृजनात्मकता की ओर ले जाएं। नगर पालिका अध्यक्ष पूजा मक्कड़ ने कहा कि पदाधिकारियों का दायित्व बहुत बड़ा होता है और उसमें सभी को साथ लेकर चलना होता है। ये पदाधिकारी निश्चित रूप से इन बातों को ध्यान देंगे और अपना कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष विवेक पाण्डेय, उपाध्यक्ष महेंद्र पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, सचिव रितेश तिवारी, कोषाध्यक्ष अशोक पाठक, सहसचिव केशव शर्मा, सहसचिव जय दुबे, संगठन सचिव किशन पाण्डेय, कार्यकारणीय लल्लन शुक्ला, मयंक पाण्डेय, राज अभिषेक पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, दिनेश शर्मा, आनंद पाण्डेय, यतेंद्र दुबे, राजेश शर्मा, वहीं युवा शाखा के अध्यक्ष अभयकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष निलेश पाण्डेय, ऋषभ शर्मा, विनय पाण्डेय, सचिव मोहन पाण्डेय, सहसचिव सौम्य त्रिपाठी, राहुल शर्मा, चिराग द्विवेदी, संगठन सचिव मनोज अक्षय पाण्डेय, कोषाध्यक्ष सक्षम पाण्डेय, कार्यकारणीय राघवेंद्र पाण्डेय, मेघांशु दीवान, प्रतिक पाण्डेय, सुजय जोशी, शुभम पाण्डेय, कान्हा पाठक, ज्ञानदीप पाण्डेय, ओम मिश्रा को शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक धर्मजीत सिंह।

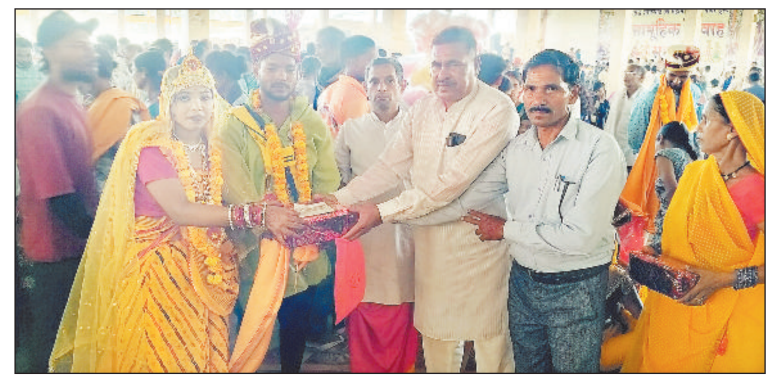

महामाया की नगरी में 125 जोड़ों का सामूहिक विवाह, उपहार दिए गए

रतनपुर। धार्मिक नगरी रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर परिसर में भागवत मंच पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा 125 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ संपन्न हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, परिजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे। विवाह के पवित्र बंधन में बंधे सभी जोड़ों को ट्रस्ट की ओर से वस्त्र, पांच जोड़ी बर्तन, मंगलसूत्र, श्रृंगार सामग्री एवं 5100 रुपए नकद उपहार प्रदान किए गए। इसके साथ ही सभी अतिथियों एवं परिजनों के लिए भोजन की उत्तम व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। ट्रस्टी एवं मुख्य पुजारी सतीश शर्मा ने बताया कि यह सामूहिक विवाह समारोह ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग देना एवं समाज में आपसी भाईचारे और समरसता को मजबूत करना है।

समारोह में मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और वैदिक परंपराओं के अनुरूप विवाह संस्कार संपन्न कराया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, मैनेजिंग ट्रस्टी अरुण शर्मा सहित ट्रस्टी मनराखन जायसवाल, संतोष शुक्ला, चेतन शर्मा, दिनेश जुनेजा, शैलेंद्र जायसवाल, ओम प्रकाश तंबोली, आनंद जायसवाल, सुनील जायसवाल, भूपचंद्र शुक्ला, आर.डी. सोनी एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

फूटा राखड़ बांध, जेसीबी ऑपरेटर की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

हसदेव ताप विद्युत संयंत्र के झाबू स्थित राखड़ बांध के क्षतिग्रस्त तटबंध के मरम्मत कार्य के दौरान एक बार फिर राखड़ बांध का तटबंध टूट गया और भारी मात्रा में बांध में संग्रहित राखड़युक्त मलबा बहने लगा। इस दौरान मरम्मत कार्य में लगा जेसीबी मशीन का ऑपरेटर राखड़युक्त पानी के सैलाब में बहकर दब गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो मजदूरों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। आखिरकार घंटों की मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर जेसीबी ऑपरेटर के शव को मलबे से बाहर निकल गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद मजदूरों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई वहीं प्रबंधन के हाथ पांव फूल गए।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के 1340 मेगावाट क्षमता वाले एचटीपीएस संयंत्र के झाबू स्थित राखड़ बांध का तटबंध कुछ दिनों पूर्व क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके बाद संयंत्र प्रबंधन द्वारा हसदेव नदी में राखड़युक्त पानी का विस्थापन कर दिया गया। इस मामले में जांच टीम जांच कर रही है और दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की गाज भी गिर रही है। वही दूसरी ओर रविवार को एक बार फिर राखड़ बांध के अचानक फूट जाने से हड़कंप मच गया है। सूत्रों की मानें तो सिविल विभाग द्वारा राखड़ बांध के क्षतिग्रस्त तटबंध का मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। मिट्टी डालकर लेवलिंग का काम किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक राखड़ बांध के एक हिस्से में दबाव बढ़ने लगा और देखते ही देखते भारी मात्रा में राखड़युक्त मलबे का बहाव शुरु हो गया। राखड़ बांध का मरम्मत कार्य कर रहे जेसीबी मशीन का ऑपरेटर ग्राम संडैल निवासी फुलेश्वर कुछ समझ पाता उससे पहले ही राखड़ के दलदल ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने फुलेश्वर को बचाने का प्रयास किया लेकिन राख का दबाव इतना अधिक था कि ऑपरेटर फुलेश्वर मशीन सहित मलबे में दब गया। इस दौरान मरम्मत कार्य में लगे अन्य मजदूरों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रबंधन और सुरक्षा अमला तुरंत मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक स्थिति गंभीर हो चुकी थी। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

युवक पर जानलेवा हमला, पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

मुंगेली। फल्ली दुकान संचालक के पुत्र पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा मोबाइल पैसे लेन देन की बात को लेकर हुये विवाद हत्या के प्रयास करने वाले हिरासत में लिया है। आरोपी के विरूद्ध थाना सिटी कोतवाली मे धारा 109(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया।

थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत प्रार्थी राजाराम सारथी पिता स्व. किशन उम्र 43 वर्ष निवासी राजेन्द्र वार्ड सारथीपारा पड़ाव चौक में ठेला लगाकर फल्ली बेचने का कार्य करता है। उसका पुत्र राहुल सारथी भी दुकान में सहयोग करता है कि 18 अप्रैल को शाम लगभग 6 बजे राहुल दुकान में था रात्रि करीब 8 बजे मोहल्ले के आलोक सारथी द्वारा सूचना दी गई कि राहुल को सोमनाथ साहू द्वारा लोहे के चापड़ से सिर एवं गले में प्राणघातक वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपी सोमनाथ साहू के द्वारा हत्या के नियत से आहत राहुल सारथी को लोहे के चापड़ से प्राणघातक हमला कर चोट पहुंचाने पर धारा सदर का अपराध कारित करना पाये जाने से आरोपी सोमनाथ साहू उर्फ केशरिया पिता रामभरोस उम्र 27 वर्ष निवासी देवगांव को त्वरित हिरासत मे लिया जाकर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

बाइक सवार ने मारी टक्कर, जुर्म दर्ज

तखतपुर। लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दूपहिया वाहन चालक ने सामने से आ रहे दूपहिया वाहन सवार को टक्कर मार दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया। जानकारी के अनुसार मंगला बिलासपुर निवासी शत्रुहन सिंह राजपूत 17 अप्रैल की शाम 4 बजे से अपने दूपहिया वाहन क्रमांक सीजी 10 बीएक्स 3862 से तखतपुर आ रहा था और बस स्टैण्ड के पास पहुंचा था तभी दूपहिया वाहन क्रमांक सीजी 11 बीए 8099 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। रिपोर्ट पर आरोपी चालक के खिलाफ धारा 281, 185, 125ए के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

क्रेडा में सेवा बहाली की गुहार डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोरमी

विगत लगभग 20 वर्षा से सौर ऊर्जा (क्रेडा) विभाग के सोलर पावर प्लांट में क्लस्टर तकनीशियनों का 12 से अधिक कार्यरत कर्मचारियों को बजट नही होने का बहना बनाकर विभाग ने 1 अप्रैल से बाहर का रास्ता दिखा दिया हैं।

वनाचंल के सभी पीड़ति कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौंपकर जल्द पीड़ति परिवार को राहत दिलाने गुहार लगाई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही इस समस्या को सरकार को अवगत कराएंगे।

सुदूर वनाचंल क्षेत्र के 19 से अधिक ग्राम में लगे सोलर पॉवर प्लांट की देखरेख करने वाले प्लांट इन्ही के भरोसे रहता था। अब कई गांव सौर प्लांट बंद पडे है। वर्तमान में बंद ग्राम जमुनाही,सुरही, अतरिया, सुरही रेस्टहाऊस, सुखीडोगरी पारा, जाकडबांधा, महामाई वन क्षेत्र सहित जैसे कई संयंत्र बंद पड़ा हुआ है। सिकायत के बाद भी अधिकारी कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2004 में जोगी शासन कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री रहते अजित जोगी ने ग्राम बम्हनी में सोलर पावर प्लांट का शुभारंभ किया था, तब से यह लोग सोलर प्लांट में काम कर रहे हैं। विभाग के इस फैसले से परिवार सड़क पर आने की नौबत आ गई है। गौरतलब है,की छतीसगढ़ में लगभग 560 क्लस्टर टेक्नीशियन को बाहर किया गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में पोळल सिंह पनरिया, रामभरोस, विजय साकत, द्वीप कुमार पनरिया, नर्मदा कंवर, दिलीप ध्रुव, कैलाष, बिनोद, महावीर, जितेन्द्र परस्ते, देवेन्द्र एवं अन्य शामिल थे।

बिजली कटौती और जल संकट को लेकर फूटा जनाक्रोश

मस्तूरी। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही अघोषित बिजली कटौती और गहराते जल संकट को लेकर अब जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। इसी क्रम में जिला पंचायत सदस्य दामोदर कांत के नेतृत्व में 20 अप्रैल को सुबह 11 बजे बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण बिलासपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। बताया जा रहा है कि, मस्तूरी क्षेत्र में पिछले कुछ समय से बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बिजली संकट के कारण न केवल घरेलू कार्य बाधित हो रहे हैं, बल्कि व्यापार व्यवस्था भी चरमरा गई है। इसी के साथ खारंग जलाशय से पानी नहीं छोड़े जाने के कारण क्षेत्र में जल संकट और भी गंभीर हो गया है।

स्वास्थ्य सेवा की असली ताकत हैं मितानिनें

सीपत। ग्राम पंचायत सीपत में मितानिन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गांव की मितानिनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी अहम भूमिका को याद किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में मितानिनों के समर्पण, सेवा भावना और ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मितानिनों के कार्यों को प्रेरणादायक बताया। सरपंच मनीषा योगेश वंशकार ने कहा कि मितानिनें गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। वे हर परिस्थिति में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का कार्य करती हैं। उनका समर्पण और सेवा भाव समाज के लिए मिसाल है, इसलिए उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर उपसरपंच श्यामा शशिकांत साहू, पंचगण एवं पंचायत कर्मी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल सम्मान और उत्साह से भरपूर रहा।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. ..../ब-121/2025-26
ग्राम धनगांव (गो) प.ह.नं. 05

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम धनगांव (गो) वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री/श्रीमती/कु. रोशन नवरंग पिता/ पति केशो जाति सतनामी निवासी धनगांव (गो) तहसील जरहागांव, जिला मुंगेली (छ.ग.) द्वारा अपने मां बुदेला बाई के जन्म/ मृत्यु दिनांक 16.01.2014 को ग्राम धनगांव (गो) में दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अत: इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 07.05.2026 को प्रात: 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा को अधीन जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जरहागांव

शब्द पहेली - 6201

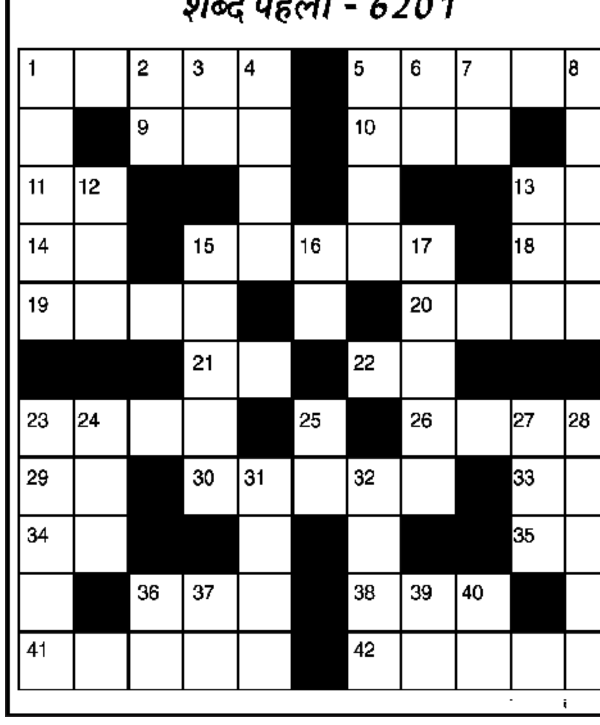

बाएँसेदाएं
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक, चिताकर्षक-5
2. वैक्स, मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चहा-2
39. याचिका, वाद (अंग्रेजी-2)
40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली -6200 का हल

सूडोकु नवताल - 6211

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6210 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

खबर संक्षेप

बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में रहा एयरटेल

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1,87,497.45 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें भारती एयरटेल सबसे अधिक लाभ में रही।

बीते सप्ताह अधिकांश तेल के भाव में रही गिरावट

नई दिल्ली। सटोरियों की सक्रियता बढ़ने के बीच कारोबारी धारणा प्रभावित रहने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव गिरावट दर्शाते बंद हुए। इस दौरान सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज हुई।

इवोनिथ स्टील जुटाई गई राशि से करेगी कर्ज कम

नई दिल्ली। इवोनिथ स्टील बाजार से जुटाए गए 2,000 करोड़ रुपये का उपयोग अपने मौजूदा ऋण को कम करने और विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने में करेगी। कंपनी के ने यह जानकारी दी। 1,750 करोड़ रुपये ऋण चुकाने में खर्च किए जाएंगे, जबकि 250 करोड़ रुपये परियोजनाओं को पूरा करने और नई उत्पादन इकाइयां जोड़ने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

गणेश ग्रीन भारत को सौर मॉड्यूल का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। सौर मॉड्यूल विनिर्माता कंपनी गणेश ग्रीन भारत को 'बाइफेशियल' सौर मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 430 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिला है। कंपनी ने यह जानकारी दी। बाइफेशियल सौर मॉड्यूल ऐसे उपकरण होते हैं जो आगे और पीछे दोनों सतहों से सूर्य की रोशनी को ग्रहण कर बिजली उत्पन्न करते हैं।

जियो फाइनेंशल के लाभ में 14 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशल सर्वेसेज का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्तवर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 14 प्रतिशत घटकर 272 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से अधिक खर्च की वजह से कंपनी का लाभ घटा है। कंपनी को वित्तवर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 316 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

अवाडा इलेक्ट्रो को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। ब्रुकफील्ड समर्थित अवाडा ग्रुप की सौर विनिर्माण इकाई अवाडा इलेक्ट्रो को आईपीओ के जरिये अनुमानित 9,000 से 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। सूचना में तीनों कंपनियों को 15 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच नियामक की टिप्पणियां मिलीं। सेबी की शब्दावली में टिप्पणी जारी करने का अर्थ सार्वजनिक निर्गम लाने की अनुमति देना है। अवाडा इलेक्ट्रो ने अक्टूबर में गोपनीय मार्ग से सेबी के पास अपने दस्तावेज जमा किए थे।

बाई हीराबाई ट्रस्ट के न्यासी की पात्रता से जुड़ी शर्तें बदलेगी

कुछ दिनों पहले पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने बोर्ड में नियुक्ति को चुनौती दी थी

मिस्त्री ने दावा किया था कि श्रीनिवासन और सिंह मानदंडों को पूरा नहीं करते

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टाटा ट्रस्ट्स ने रविवार को कहा कि बाई हीराबाई ट्रस्ट के न्यासियों ने पात्रता मानदंडों में मौजूद प्रतिबंधात्मक प्रावधानों (जैसे गैर यहूदियों के ट्रस्टी बनने पर रोक) को बदलने के लिए उचित प्राधिकरण के समक्ष कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब कुछ दिन पहले टाटा ट्रस्ट्स के पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर को दी गई एक शिकायत में दिग्गज उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह की बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन (बाई हीराबाई ट्रस्ट) के बोर्ड में नियुक्ति को चुनौती दी थी।

कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया

बयान में कहा गया, ''न्यासियों ने ट्रस्ट डीड की विसंगतियों को दूर करने और इसे टाटा ट्रस्ट्स के उन मूल्यों के अनुरूप बनाने के लिए, जिनका वह हमेशा प्रतीक रहा है, न्यासियों की पात्रता के संबंध में प्रतिबंधात्मक शर्तों को बदलने के लिए उचित प्राधिकरण के समक्ष कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है।''

टाटा की विचारधारा हमेशा समावेशी रही

न्यासियों ने इस बात पर जोर दिया कि टाटा की विचारधारा हमेशा समावेशी, धर्मनिरपेक्ष और सर्वव्यापी रही है, जिसका ध्यान परोपकार और राष्ट्र सेवा पर केंद्रित है। टाटा ट्रस्ट्स ने कहा, ''भारत के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश से प्राप्त कानूनी राय के बाद 2000 से गैर यहूदियों को लगातार ट्रस्ट में नियुक्त किया गया है। न्यासियों ने कहा कि बाई हीराबाई एक गैर-शेयरधारिता न्यास है, जिसका संपत्ति आधार और गतिविधियां सीमित हैं।''

नोएल टाटा की अध्यक्षता में हुई बैठक

टाटा ट्रस्ट्स ने एक बयान में कहा कि बाई हीराबाई ट्रस्ट के न्यासियों के बोर्ड की बैठक 17 अप्रैल, 2026 को टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल एन टाटा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ट्रस्ट की गतिविधियों की समीक्षा के साथ ही मीडिया में ट्रस्ट से संबंधित हालिया बयानों पर चर्चा की गई।

ट्रस्टी 103 साल बाद वसीयत को कैसे चुनौती दे सकते हैं : इस बारे में संपर्क करने पर मेहली मिस्त्री ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, उनके करीबी लोगों ने कहा कि बाई हीराबाई ट्रस्ट के न्यासियों द्वारा प्रतिबंधात्मक शर्तों को बदलने के फैसले से यह साबित होता है कि वर्तमान में ट्रस्ट डीड में ऐसी शर्तें मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह उचित प्राधिकरण को तय करना है, लेकिन यह देखना बाकी है कि ट्रस्टी 103 साल बाद किसी वसीयत को कैसे चुनौती दे सकते हैं।

धर्म का पालन व मुंबई में निवास की शर्तें

मिस्त्री ने दावा किया था कि श्रीनिवासन और सिंह ट्रस्ट डीड में निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, जिसमें पारसी जरथुस्त्री धर्म का पालन और मुंबई में निवास की विशिष्ट शर्तें शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन ने व्यावसायिक व्यस्तताओं का हवाला देते हुए बाई हीराबाई ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन बाद में स्वीकार किया कि उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स प्रबंधन के अनुरोध पर पद छोड़ा था।

आपूर्ति दिक्कतों की वजह से खपत में गिरावट आई

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच मार्च में एलपीजी की खपत 13 प्रतिशत घटी

- घरों की रसोई और वाणिज्यिक ग्राहकों की उपलब्धता पर असर पड़ा
- मार्च में एलपीजी की खपत 23.79 लाख टन रही है
- भारत एलपीजी जरूरत का 60 प्रतिशत आयात से पूरा करता है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी आपूर्ति दिक्कतों की वजह से भारत में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत में मार्च में 13 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे घरों की रसोई और वाणिज्यिक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्धता पर असर पड़ा है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

मार्च में एलपीजी की खपत 23.79 लाख टन रही है, जो पिछले साल की इसी अवधि के आंकड़े 27.29 लाख टन से 12.8 प्रतिशत कम है। भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 60 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। इसका एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइली हमलों और जवाबी ईरानी कार्रवाई के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया।

सऊदी अरब व यूएई से आपूर्ति में रूकावट

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आपूर्ति में रुकावट के कारण, सरकार ने घरों में रसोई गैस की उपलब्धता को बनाए रखने के लिए होटल और उद्योगों के लिए एलपीजी आपूर्ति में कटौती की थी।

घरेलू उत्पादन 11 लाख से बढ़कर 14 लाख टन हुआ

इससे मार्च में घरेलू एलपीजी उत्पादन एक साल पहले के 11 लाख टन से बढ़कर 14 लाख टन हो गया। इस बढ़ोतरी से पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में एलपीजी उत्पादन दो वित्त वर्षों के 1.28 करोड़ टन से बढ़कर 1.31 करोड़ टन हो गया। मार्च का महीना एक अपवाद होने के बावजूद, बीते वित्त वर्ष में एलपीजी की खपत छह प्रतिशत बढ़कर 3.32 करोड़ टन से अधिक हो गई।

हाल के वर्षों में एलपीजी की खपत बढ़ी

हाल के वर्षों में एलपीजी की खपत लगातार बढ़ी है। इसकी वजह यह है कि सरकार लकड़ी और अन्य प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन की जगह स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल पर जोर दे रही है। युद्ध की वजह से कई खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद होने की वजह से जेट ईंधन या एटीएफ की खपत मार्च में लगभग स्थिर 8,07,000 टन रही, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 8,01,000 टन था।

रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश

पीपीएसी के ये आंकड़े ऐसे समय आए हैं जबकि सरकार लगातार दावा कर रही है कि एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है और घरेलू उपयोगकर्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए, सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए पेट्रोरसायन उत्पादन से गैस को घरेलू इस्तेमाल वाली गैस के लिए स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था।

घरेलू सिलेंडर की आपूर्ति 8.1 प्रतिशत घटी

पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के मुताबिक, मार्च में घरेलू को एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति 8.1 प्रतिशत घटकर 22.19 लाख टन रह गई, जबकि गैर-घरेलू उपयोगकर्ताओं को एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में 48 प्रतिशत की कमी आई। थोक एलपीजी की बिक्री में 75.5 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

पेट्रोल व डीजल की बिक्री में बढ़ोतरी हुई

हालांकि, इस दौरान पेट्रोल और डीजल की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल की बिक्री 7.6 प्रतिशत बढ़कर 37.8 लाख टन हो गई, जबकि डीजल की खपत 8.1 प्रतिशत बढ़कर 87.27 लाख टन हो गई। पूरे वित्त वर्ष में एटीएफ की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 91.61 लाख टन हो गई। वहीं पेट्रोल की खपत 6.5 प्रतिशत बढ़कर 4.25 करोड़ टन रही।

कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के परीणाम तय करेंगे बाजार की दिशा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- अमेरिका-ईरान तनाव भी बाजार की चाल पर असर डालेगा
- विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार का रुख प्रभावित करेगा

इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय करने में अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे प्रमुख भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उन्होंने बताया कि विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री गतिविधियां भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर खास नजर बनी रहेगी, क्योंकि इसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर पड़ता है। देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को जनवरी- मार्च तिमाही के परिणामों की घोषणा की।

तेल की कीमतों में स्थिरता से बाजार को सहारा मिलेगा

पोनमुड़ी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार स्थिरता या और कमी शेयर बाजार के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है और इससे वृहद आर्थिक स्थिति को भी सहारा मिल सकता है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही काफी हद तक रोक दी थी, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है।

प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों पर आईटीसी कंपनी का जोर

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

- तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य बाजार पर नजर

विविध कारोबार क्षेत्र में कार्यरत कंपनी आईटीसी लिमिटेड के खाद्य प्रभाग के मुख्य कार्यकारी और कार्यकारी निदेशक हेमंत मलिक ने कहा हे कि कंपनी स्वास्थ्य और पोषण के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए प्रोटीन युक्त खाद्य उत्पादों पर जोर बढ़ा रही है।

मलिक ने कहा कि कंपनी ने अलग-अलग श्रेणियों में प्रोटीन युक्त नए और खास उत्पाद पेश किए हैं। इन उत्पादों को तैयार करने में उपभोक्ताओं की पसंद, नवाचार और बेहतर स्रोत व्यवस्था का उपयोग किया गया है, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई जा सके। मलिक ने कहा कि उपभोक्ताओं की पसंद तेजी से बदल रही है और ऐसे में कंपनी को उम्मीद है कि स्वास्थ्य-केंद्रित उत्पाद, खासकर प्रोटीन आधारित खाद्य पदार्थ, भविष्य की वृद्धि में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी का मुख्य उद्देश्य प्रोटीन उत्पादों को आम लोगों तक सस्ती कीमत पर पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें।

अलग-अलग उपभोक्ताओं के लिए तैयार : मलिक ने बताया कि कंपनी ने अलग-अलग उपभोक्ताओं के लिए ऐसे प्रोटीन उत्पाद तैयार किए हैं, जिन्हें रोजमर्रा के भोजन में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

स्वास्थ्य सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र

हेमंत मलिक नेबातचीत में कहा, /''स्वास्थ्य सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है और हम इस क्षेत्र में उपभोक्ताओं की नई जरूरतों पर लगातार नजर रख रहे हैं।/'' आईटीसी अपने मुख्य खाद्य ब्रांड आशीर्वाद, पोषण ब्रांड 'राइट शिफ्ट' और योगा बार (जिसे कंपनी ने अधिग्रहीत किया था) के साथ प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की एक विविध श्रृंखला पेश करके प्रोटीन बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है।

फैंटम डिजिटल में निवेश करेगी जी एंटरटेनमेंट

नई दिल्ली। मीडिया और मनोरंजन कंपनी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. ने विजुअल इफेक्ट्स और एनिमेशन स्टूडियो फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स में 116 करोड़ रुपये के रणनीतिक निवेश की घोषणा की। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स की अमेरिका और ब्रिटेन जैसे प्रमुख वैश्विक बाजार में वैश्विक मौजूदगी है। इस निवेश का मकसद जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. (जेडईईएल) की हाई-पोटेंशियल एनिमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) खंड में मौजूदगी को बढ़ाना है। जेडईईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, 'कंपनी के निदेशक मंडल ने आज 17 अप्रैल, 2026 को हुई अपनी बैठक में फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स के कंपलसरी कन्वर्टिबल डिबेंचर (सीसीडी) में तरजीही आवंटन आधार पर, एक या अधिक किस्तों में 116 करोड़ रुपये तक के निवेश को मंजूरी दे दी है।'

भारत का बैंकिंग क्षेत्र मजबूत, 13% ऋण वृद्धि की संभावना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- ज्यादातर बैंकरों का अनुमान जनवरी-जून के दौरान गैर-खाद्य ऋण बढ़ेगा

बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत का बैंकिंग क्षेत्र जुझारू या मजबूत बना हुआ है और ज्यादातर बैंकरों ने जनवरी-जून, 2026 के दौरान गैर-खाद्य ऋण में 11-13 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है।

रविवार को जारी फिक्की-आईबीए बैंक सर्वेक्षण में यह बात कही गई। यह सकारात्मक रुझान सुधरते बही-खाते, स्थिर आर्थिक गतिविधियों, खुदरा और एमएसएमई ऋण की मजबूत गति और निजी पूंजीगत व्यय में सुधार के शुरुआती संकेतों पर आधारित है। इसके विपरीत, औद्योगिक ऋण वृद्धि की रफ्तार मध्यम रहने की उम्मीद है, जो क्रमिक सुधार को दर्शाती है। बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण क्षेत्रों और सरकार की अगुवाई वाले पूंजीगत व्यय से निवेश गतिविधियां स्थिर रहने की उम्मीद है।

सावधि ऋण की मांग आने की उम्मीद

सावधि ऋण की मांग मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे, रियल एस्टेट, वाहन, दवा, डेटा सेंटर और रक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों से आने की संभावना है। फिक्की ने बताया कि ज्यादातर उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में मौद्रिक नीति का रुख काफी हद तक स्थिर रहेगा। मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उपयुक्त है।

अल्ट्राटेक की तीन इकाइयां शुरू, क्षमता 20 करोड़ टन पार...

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने को तीन और संयंत्र शुरू किए, जिससे इसकी कुल क्षमता सालाना 20 करोड़ से अधिक हो गई है। इसके साथ ही आदित्य बिड़ला समूह की यह कंपनी चीन के बाहर दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट विनिर्माता बन गई है। इसकी क्षमता अब अमेरिका की तुलना में दोगुनी और पूरे यूरोपीय संघ के कुल उत्पादन से भी अधिक है। समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, 'यह क्षमता अभूतपूर्व है। भारत में किसी भी क्षेत्र की किसी अन्य कंपनी ने आज तक क्षमता का यह स्तर हासिल नहीं किया है। नई इकाइयां शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश), पतरातू (झारखंड) और विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में स्थित हैं। कंपनी के संयंत्र संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और श्रीलंका में भी हैं।

युद्ध के कारण बीयर उद्योग 'गंभीर संकट' में : यूनाइटेड ब्रूअरीज सीईओ

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

- युद्ध के कारण कच्चे माल की लागत बढ़ गई
- राज्य सरकार द्वारा लगाए गए मूल्य निर्धारण प्रतिबंधों से संकट बढ़ा

यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक विवेक गुप्ता ने कहा है कि युद्ध के कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत, आपूर्ति की कमी और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए मूल्य निर्धारण प्रतिबंधों के बीच भारतीय बीयर उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

गुप्ता ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि पर्याप्त नियामकीय समर्थन नहीं मिलने से उद्योग की वृद्धि और नवाचार पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध के कारण कच्चे माल, बोतल और अन्य कच्चे माल की लागत बढ़ गई है, जबकि कंपनियां बिना सरकारी अनुमति के कीमत नहीं बढ़ा सकती हैं।

गुप्ता ने बताया कि बीयर उद्योग पर इसका असर अन्य उद्योगों की तुलना में अधिक पड़ा है। रुपये की कमजोरी, निर्यात में गिरावट और आपूर्ति की कमी से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है।

उन्होंने कहा कि बीयर की कीमतें मुख्य रूप से राज्यों की आबकारी नीतियों के तहत नियंत्रित होती हैं और लगभग 75 प्रतिशत कारोबार सरकारी नियमों के अधीन है।

15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की अनुमति मिले

गुप्ता ने सरकार से अनुरोध किया कि कंपनियों को उपभोक्ताओं पर बोझ डाले बिना सरकार को अपने बिक्री मूल्य में लगभग 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की अनुमति दी जाए। कैन की कमी के बारे में गुप्ता ने कहा कि सरकारी अधिसूचना के बावजूद अभी यह समस्या सुलझी नहीं है। यह आगे भी बनी रहेगी।

कैन का आयात महंगा पड़ रहा

गुप्ता ने कहा, ''एल्युमीनियम की कीमतें बढ़ रही हैं। गैस की कमी की वजह से विनिर्माताओं ने अपरिहार्य स्थिति घोषित कर दी है। स्थानीय कैन विनिर्माता भी पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। कैन का आयात करना महंगा बैठ रहा है।''

छंटनी का पहला चरण 20 मई को शुरू होने की उम्मीद

मेटा में 16 हजार कर्मचारियों की नौकरी पर लटकी तलवार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- पहले चरण में 8000 लोग होंगे प्रभावित

मार्क जुकरबर्ग की कंपनी ने हजारों लोगों की नौकरी से निकालने की तैयारी कर ली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेटा प्लटफार्म बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रही है, जिसके चलते आने वाले महीनों में 16,000 तक कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिसमें इस मामले से जुड़े लोगों का हवाला दिया गया है, छंटनी का पहला चरण 20 मई को शुरू होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 8,000 कर्मचारी प्रभावित होंगे। 2026 के आने वाले महीनों में होने वाली यह छंटनी, कंपनी के पिछले 'ईयर ऑफ एफिशियंसी' के बाद से अब तक का सबसे बड़ा रीस्ट्रक्चरिंग एक्सरसाइज बन सकती है; यह ऐसे समय में हो रहा है जब मार्क जकरबर्ग की कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपना जोर बढ़ा रही है और ज्यादा ऑटोमेटेड फ्यूचर के लिए अपनी वर्कफोर्स को नया रूप दे रही है।

2026 में अब तक 73,000 की नौकरी गई

इस बदलाव में मेटा अकेली नहीं है। इन बदलावों का असर पूरी टेक इंडस्ट्री में महसूस किया जा रहा है, जहां बड़ी कंपनियां एक तरफ नौकरियों में कटौती कर रही हैं, तो वहीं दूसरी तरफ एआई में अपना निवेश बढ़ा रही हैं। उदाहरण के लिए, एमेजान ने हाल के महीनों में कथित तौर पर लगभग 30,000 कॉर्पोरेट पदों को खत्म कर दिया है, जो उसके व्हाइट-कॉलर वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत है। इसी तरह, फिनटेक कंपनी ब्लॉक ने भी अपने वर्कफोर्स में काफी कटौती की है। लेऑफ के आंकड़ों से इस बदलाव के पैमाने का पता चलता है। इस प्लेटफॉर्म के अनुसार, इस साल अब तक दुनिया भर की 95 कंपनियों में 73,000 से ज्यादा टेक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है।

महामारी में 21,000 लोगों को निकाला था

अगर मेटा छंटनी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, तो यह पिछले कुछ सालों में कंपनी में हुई नौकरियों की कटौती की एक और कड़ी होगी। यह मेटा में 2022 और 2023 में हुई छंटनी के पिछले दौर जैसा ही है, जब कंपनी ने धीमी ग्रोथ और महामारी के दौर में हुए जरूरत से ज्यादा विस्तार के नतीजों के चलते लगभग 21,000 नौकरियां खत्म कर दी थीं। उस दौर को, जिसे जकरबर्ग ने ईयर ऑफ एफिसिएंसी नाम दिया था, ऑपरेशन्स को सुव्यवस्थित करने, मैनेजमेंट के स्तरों को कम करने और वित्तीय अनुशासन को बेहतर बनाने के लिए किए गए ठोस प्रयासों के लिए जाना जाता है।

प्रभावित की संख्या 16,000 तक पहुंच सकती है

इन प्रस्तावित छंटनियों से अकेले शुरुआती चरण में ही मेटा के वैश्विक कर्मचारियों में से लगभग 10 प्रतिशत कमचारियों के प्रभावित होने की उम्मीद है। हालांकि कंपनी ने छंटनी की पूरी सीमा की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि 2026 में बाद में और भी नौकरियां कम होने की संभावना है, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की कुल संख्या बढ़कर लगभग 16,000 तक पहुंच सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

न जल, न जीवन...

रुपए और कुर्रूभाठा में 45 लाख रुपए खर्च कर जल जीवन मिशन योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण किया गया। घर-घर ही नहीं, चौक चौराहों में स्टैण्ड पोस्ट लगाकर नल कनेक्शन दिया, लेकिन दो-तीन साल बाद भी पानी का एक बूंद भी ग्रामीणों को नसीब नहीं हुआ है। जंगल के इन गांवों में आजादी के 79 वर्षों बाद भी बिजली ही नहीं पहुंची है और बिजली के अभाव में पेयजल सप्लाई नहीं हो पा रही है।

40 लाख की...

अभियंता डी.एस. राजपूत ने बताया कि पंचायत स्तर पर नल-जल योजना के तहत पानी टंकी निर्माण और पाइपलाइन बिछाने का कार्य लगभग एक वर्ष पूर्व ही पूरा कर लिया गया है। प्रत्येक योजना की अनुमानित लागत करीब 45 से 50 लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि बजट आवंटन नहीं होने के कारण अब तक इन योजनाओं का पंचायतों को हैंडओवर नहीं हो सका है।

एक-एक बूंद...

फ़्लिटर प्लांट के अंदर की रोड पर तेज गर्मी में अक्सर पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है, लेकिन इस जगह पर उन्हें थोड़ी राहत मिल रही है। यह दृश्य लोगों के चेहरे पर मुस्कान भी ला रहा है और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता की याद दिला रहा है। हालांकि यह स्थिति तकनीकी खामी से बनी है, फिर भी इसने यह संदेश जरूर दिया है कि यदि शहर में जगह-जगह छोटे-छोटे जलस्रोत बनाए जाएं, तो पक्षियों और अन्य जीवों को गर्मी में काफी राहत मिल सकती है।

ईरान अड़ा, ट्रंप...

नाकाबंदी ने होर्मुज स्ट्रेटको पहले ही बंद कर रखा है। ऐसे में इस समुद्री गलियारे में गोलियां चलाकर ईरानी अनजाने में हमारी मदद कर रहे हैं। इस रास्ते के बंद होने से उन्हीं का रोजाना 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। यूएस का इसमें कोई नुकसान नहीं है।

भारतीय टैंकर ने...

से भरा टैंकर देश गरिमा 18 अप्रैल को रणनीतिक जलमार्ग को पार कर गया और 22 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। इस जहाज पर 31 भारतीय नाविक सवार थे। भारतीय नौवहन निगम का टैंकर मार्च की शुरुआत से होर्मुज स्ट्रेट को पार करने वाला 10वां भारतीय ध्वज वाला जहाज है। इससे पहले तेल टैंकर समनार हेराड और बल्क कैरियर जग अर्नव ने पिछले 24 घंटों में स्ट्रेट से गुजरते समय गोलीबारी की सूचना दी और फारस की खाड़ी में वापस लौट आए। हालांकि, इस गोलीबारी की घटना में चालक दल के किसी सदस्य के घायल होने की खबर नहीं है।

टंकी बनी शो...

टंकी का काम पूरा होने पर ही पूरे गांव के लोगों की प्यास बूझ सकेगी। गौरतलब है कि नानगुर को ब्लाक बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। यहां अस्पताल, हायर सेकेंडरी स्कूल, वन विभाग और नायब तहसीलदार का दफ्तर सहित थाना और पशु चिकित्सा विभाग का कार्यालय भी है।

पटाखा फैक्ट्री में...

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। विस्फोट कट्टनरपत्ती में मुथुमानिकम के स्वामित्व वाली 'वनजा' पटाखा फैक्टरी में हुआ। प्रशासन ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वेदांता विस्फोट में...

कुमार की तड़के रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही 14 अप्रैल को हुई इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। सिंघीतराई गांव स्थित वेदांता लिमिटेड के बिजली संयंत्र में बॉयलर से टरबाइन तक उच्च दबाव की भाप ले जाने वाली इस्पात की एक 'ट्यूब' में विस्फोट हुआ था, जिससे कई श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए थे। अधिकारियों के अनुसार, चार कर्मियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि नौ अन्य ने घटना के तुरंत बाद दम तोड़ दिया। अस्पतालों में भर्ती सात और घायल कर्मियों की 15 अप्रैल को मौत हो गई थी जबकि रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती एक अन्य श्रमिक ने 16 अप्रैल को दम तोड़ दिया था। अस्पतालों में भर्ती दो और कर्मियों की शनिवार को मौत हो गई थी। मृतकों में पश्चिम बंगाल के सात, छत्तीसगढ़ के पांच, झारखंड के चार, उत्तर प्रदेश के चार तथा बिहार और मध्य प्रदेश के दो-दो श्रमिक शामिल हैं।

11 घायलों का...

उन्होंने बताया कि इनमें से दो की हालत गंभीर है। सक्ती के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने पहले कहा था, इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और संयंत्र प्रमुख देवेंद्र पटेल समेत आठ से 10 लोगों को नामजद किया गया है। जांच के दौरान यदि और लोग जिम्मेदार पाए जाते हैं तो उनके नाम भी जोड़े जाएंगे।

बारात लेकर पहुंची...

चार बेटियां है। वे खेती के माध्यम से परिवार की रोजी-रोटी चलाते है। विवाह के बाद बेटियों के ससुराल जाने पर खेती-किसानी का काम बंद हो जाएगा। बुढ़ापे में उन्हें भी समस्या होगी। इसलिए अपनी बेटी देवमुनि के लिए ऐसे वर की तलाश में थे जो घर जमाई बनकर उनके घर रह सके तथा बेटे की तरह परिवार की जिम्मेदारियों को संभाल सके। उन्होंने ग्राम सुपलगा निवासी बरवा परिवार से बात की तो परिजन विवाह उपरांत बेटे बिलासुस बरवा को घर जमाई के रूप में सौंपने के लिए तैयार हो गए।

चार श्रेणियों में...

कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और संस्थानों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही और आपराधिक अभियोजन (प्रॉसिक्यूशन) का प्रावधान किया गया है ।

गोली लगने के...

दी। पुलिस पार्टी ने भी जवाबी फायरिंग की। तब नक्सली जंगल-झाड़ी का आड़ लेते हुए भाग गए। लेकिन नक्सलियों की फायरिंग से कोमल खलखो बुरी तरह घायल हो गए। उनके दाहिने पैर एड़ी के ऊपर तथा दोनों जांघों के पास कई गोली लगी। इसके बावूजद कोमल ने बहादुरी से टीम के साथ नक्सलियों का मुकाबला किया। कोमल खलखो दाहिने पैर एड़ी के ऊपर और दोनों जाघों के पास गोली लगने से 80 प्रतिशत दिव्यांग हो गए और वर्ममान में वे भारी कार्य करने में असमर्थ हैं।

ब्लास्ट व गोली...

प्रेशर आईईडी ब्लास्ट कर फायरिंग शुरू कर दी जिसका टीम ने बहादुरी से मुकाबला किया। प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से व दाहिने पैर में गोली लगने से प्रकाश चेट्टी गंभीर रूप से घायल हो गए और इस घटना में उनका पैर 50 प्रतिशत क्षतिग्रस्त हो गया।

नक्सलवाद सिर न...

पांच दिन पहले नक्सलियों के संगठन और उनके सहयोगी संगठनों पर प्रतिबंध एक साल बढ़ाने का आदेश जारी किया है। यह प्रतिबंध 12 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो गया है । दिलचस्प यह है कि यह निर्णय ऐसे समय में आया है, जब हालिया जमीनी रिपोर्ट्स और सरकार के दावों के अनुसार, मार्च महीने में ही नक्सली विचारधारा और उनके दलम का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। बड़े कमांडरों और नेताओं के आत्मसमर्पण के बाद जहां संगठन के खत्म होने की बात कही जा रही थी, वहीं सरकार ने सुरक्षा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए एहतियातन यह कदम उठाया है। लोक शांति को खतरा- सरकार मानती है, इन संगठनों के क्रियाकलाप सार्वजनिक व्यवस्था और विधि द्वारा स्थापित संस्थाओं के कार्यों में बाधक बन रहे हैं । जानकारों का मानना है कि मार्च में नक्सली तंत्र के ध्वस्त होने के बाद भी सरकार किसी भी प्रकार की 'स्लीपर सेल' या पुनर्गठन की संभावना को सिरे से खारिज करना चाहती है। शासन के इस कड़े रुख से साफ है कि जब तक नक्सलवाद की जड़ें पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जातीं, तब तक सुरक्षा एजेंसियां किसी भी ढील के पक्ष में नहीं हैं। सरकार का मानना है कि इनका संगठनात्मक ढांचा अब ध्वस्त हो चुका है। सरकार के मुताबिक, नक्सली पदानुक्रम अब पूरी तरह से टूट चुका है। शीर्ष नेतृत्व का अंत- भाकपा (माओवादी) के महासचिव बसवराजू की अबूझमाड़ में एक मुठभेड़ के दौरान मौत को नक्सली विचारधारा की कमर टूटने का निर्णायक मोड़ माना गया है। हाल ही में दंडकारण्य जोनल कमेटी के 12-14 प्रमुख कैडरों सहित सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी कि नक्सलियों की पोलित ब्यूरो और केंद्रीय संरचना लगभग पूरी तरह से बिखर चुकी है।

हादसों पर कोर्ट...

सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि अवैध रूप से वाहन खड़ा करना या दुर्घटना संभावित स्थलों जैसे टाले जा सकने वाले खतरों के कारण एक भी व्यक्ति की जान जाना, नागरिकों की रक्षा करने में राज्य की विफलता को दर्शाता है। न्यायालय ने 13 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिया गया जीवन का अधिकार जीवन को केवल गैरकानूनी तरीके से छीने जाने के विरुद्ध गारंटी नहीं देता, बल्कि राज्य पर यह सकारात्मक दायित्व भी डालता है कि वह ऐसा सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करे, जहां मानव जीवन सुरक्षित रहे और उसका सम्मान हो। पीठ ने राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में दो और तीन नवंबर, 2025 को हुई सिलसिलेवार सड़क दुर्घटनाओं में 34 लोगों की मौत के बाद दर्ज किए गए स्वतः संज्ञान मामले में यह आदेश पारित किया। इन दुर्घटनाओं के लिए प्रणालीगत लापरवाही और विनाशकारी बुनियादी ढांचागत विफलताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। पीठ ने देशभर के लिए निर्देश जारी करते हुए कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीने के अधिकार के अभिन्न हिस्से के रूप में यात्रियों की सुरक्षा को संवैधानिक दायित्व मानते हुए यह आवश्यक है कि इन अंतरिम निर्देशों के माध्यम से व्यवस्थागत मूल कारणों का समाधान किया जाए और भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए ये अंतरिम निर्देश जारी किए जाएं।

विपक्ष ने नारी...

में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, हमारे देश की आधी आबादी, माता-बहनों को देश के विकास में सहभागी बनाने और लोकसभा व विधानसभाओं में उनका 33 प्रतिशत नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था और संसद के विशेष सत्र में उस पर चर्चा की गई। महिलाओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए देशभर में अनेक कार्यक्रम हो रहे थे, लेकिन दुर्भाग्य का विषय है कि हमारी माता-बहनों की खुशी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और समाजवादी पार्टी के अड़ियल और महिला विरोधी राजनीतिक चरित्र के चलते साकार नहीं हो पाई। **भाजपा ने पंचायतों में दिया 50 फीसदी आरक्षण**-श्री साय ने डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं को पंचायतों में दिए गए 50 फीसदी आरक्षण सहित अन्य महिला उत्थान की संचालित की गई योजनाओं के साथ ही मौजूदा केंद्र तथा प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला कल्याणकारी योजनाओं का लेखा-जोखा देते हुए कहा, भाजपा सरकार ने सदैव हर स्तर पर नारी के संवैधानिक अधिकारों व सम्मान की रक्षा की है। आज त्रि-स्तरीय पंचायतों में महिलाओं का नेतृत्व 50 से बढ़कर 57 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रदेश की विधानसभा में भी महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 22 प्रतिशत तक है। **कांग्रेस का काम फूट डालने का**-श्री साय ने कहा, कांग्रेस फूट डालो और राज करो की ब्रिटिश नीति पर चलकर पिछले तीन दशकों से महिला आरक्षण की केवल बातें करती रही है, परंतु जब भी इस पर सार्थक पहल कर उसे कानून बनाने का वक्त आता है, तब कांग्रेस के लोग मुंह फेर लेते हैं और यही चरित्र कांग्रेस ने इस बार भी प्रदर्शित किया है। परिसीमन, धर्म आधारित आरक्षण, उत्तर-दक्षिण वैमनस्य पैदा करने की गर्हित कोशिश करके नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। यह हमारे देश की 70 करोड़ माता-बहनों के साथ सरासर धोखा है, अपमान है। इसके लिए निश्चित रूप से देश की मातृशक्ति इंडी गठबंधन को कतई माफ नहीं करेगी और कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

कांग्रेस ने हमेशा...

आरक्षण बिल को संसद में फाड़कर फेंकने का काम तक कांग्रेस और विपक्ष ने किया। 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पारित हुआ, लेकिन बाद में सालों तक यह बिल लोकसभा में पेश नहीं किया गया। **आबादी बढ़ी तो सीटें भी बढ़ाना जरूरी**-श्री सिंह ने कहा कि आज जब यह परिसीमन की जरूरत पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं तो यह विचारणीय है कि 1971 की जनगणना के मुताबिक तब जनसंख्या 54 करोड़ थी, जबकि आज आबादी 140 करोड़ है। कुछ लोकसभा क्षेत्रों में आबादी 28 से 38 लाख तक पहुंच चुकी है तो उन सीटों को आबादी के अनुपात से तय करना चाहिए। आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में छत्तीसगढ़ में सीटों की संख्या बढ़कर क्रमशः 135 और 18 हो जातीं। यही संविधान की मूलभावना भी है। कांग्रेस हमेशा हमारी संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाती रहती है। इस विषय को लेकर भाजपा बूथ-मंडल स्तर तक जाएगी और कांग्रेस के झूठ तथा महिला विरोधी चरित्र का पर्दाफाश करेगी।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care श्री सांई केयर हॉस्पिटल
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- भाटापारा, बलौदा बाजार हेतु सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन 13000 प्रतिमाह ड्यूटी 12 घंटे, आवास मुफ्त, 3 फोटो आधार कार्ड सहित तत्काल सम्पर्क करें- 8109314893, 99266 83722 **(40606)**

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वाह 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 **(40591)**

आवश्यकता है- घरेलु सभी कार्य करने हेतु कुशल महिला/लड़की एवं निजी कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- वर्मा नर्सिंग होम के पास, विनोवा नगर, बिलासपुर 7000953447, 96859 01101 **(40609)**

आवश्यकता है- फ्रोजन फूड, किराना दुकान में आर्डर सप्लाई हेतु जानकार स्टाफ चाहिए वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- के.सी. फ्रोजन फूड, त्रिवेणी भवन के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर 9579552762, 8815001551 **(40607)**

आवश्यकता है-ऑपरेटर और टीचर युवती (दो अलग अलग) युवती चाहिए, कम्प्यूटर हेतु सेलरी 10000 से 15000 और क्लास-1 की इंग्लिश मीडियम टीचर की (3घंटे) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8817395214 **(40602)**

आवश्यकता है-ईवी शोरूम में सेल्स एग्जीक्यूटिव- 5, ड्राइवर- 1 चाहिए। वेतन+ आकर्षक इंसेंटिव। अनुभवी को प्राथमिकता अपने बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- श्री बजरंग ऑटोमोबाइल (Kinetic Green) तोरवा बिलासपुर 9302569282 **(40603)**

आवश्यकता है- कपड़ा, कॉस्मेटिक, ज्वेलरी दुकान में पार्ट टाइम, फुल टाइम कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें-शिमर एंड शाइन, अग्रसेन चौक बिलासपुर 8602460166 **(40604)**

आवश्यकता है-आया, कुक, केयर टेकर बच्चों हेतु आवश्यकता है उम्र 25 से 35वर्ष केवल तलाकशुदा/विधवा हेतु वेतन 8000 से 12000 स्थायी रहने पर वेतन वृद्धि सम्पर्क करें- 97527 89180, 7999819387 **(40594)**

आवश्यकता है-आफिस में साफ सफाई एवं अन्य कार्य हेतु एक व्यक्ति (लड़का) की आवश्यकता है। कार्य समय सुबह 10.30 से 2 एवं शाम 4 से 8:30 तक। वेतन 6000/- सम्पर्क- प्रेम अपार्टमेंट, राजस्थान होटल के पास, मुंगेली नाका चौक, बिलासपुर 9993627592 **(40590)**

आवश्यकता है-कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड, बिलासपुर 7879094455 **(40592)**

आवश्यकता है-सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें-पारस इन्टरप्राइजेस GF-26 अम्बे अंजनी ई-प्लाजा सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 94255 30470, 9826598526 **(40581)**

आवश्यकता है-गोडाउन सुपर वाईजर-2 पद एवं धर्म कांटा ऑपरेटर (नाईट शिफ्ट परमानेंट)2पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शिवांगी आइल्स बिलासपुर 9303790515 **(40597)**

आवश्यकता है-लोकल एवं बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी हेतु पिकप, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन- 12000 से 15000 (अनुभव के अनुसार) सम्पर्क करें- सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9300734341 **(40585)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर **(40576)**

आवश्यकता है-साड़ियों की दुकान में कार्य हेतु लड़के चाहिए सेल्समैन वेतन 17000+ 1%, सीखे हुए हेल्पर 10000/-फ्रेशर हेल्पर 8500/- नोट- 18वर्ष से 30वर्ष तक के लड़के ही सम्पर्क करें- 96913 42085 **(40596)**

आवश्यकता है-अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक में महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से रात 8बजे तक, डॉक्टर अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक, सन्तोष लॉज के बगल में, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911052 **(40575)**

आवश्यकता है-सरकंडा स्थित MRF टायर शोरूम में मशीन द्वारा टायर फिटिंग के लिए हेल्पर/ टेक्नीशियन की आवश्यकता है फ्रेशर भी अप्लाई कर सकते हैं। केवल इच्छुक ही सम्पर्क करें- 81098 55064 **(40595)**

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके सोनभद्र उत्तर प्रदेश ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 6265407475, 9303374409 **(402)**

आवश्यकता है-लाईट शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है जिन्हे बिजली दुकान में काम करने का अनुभव हो अनुभवी को प्राथमिकता वेतन अनुभव के अनुसार सम्पर्क करें- 99935 66695 **(40598)**

आवश्यकता है-जर्नी कंसल्टेंसी ग्रुप ऑफिस में एक महिला चपरासी चाहिए नाश्ता, पानी हेतु (चाय नाश्ता बनाने एवं ऑफिस के सभी कार्य अनुभवी हो) रहने खाने की सुविधा पेमेंट योग्यतानुसार सम्पर्क- 9993316757 **(40589)**

आवश्यकता है-ऑफिस में सामान पैकेजिंग कार्य करने हेतु महिला स्टाफ की आवश्यकता है। कार्य समय- सुबह 10:30 से शाम 7बजे तक। सम्पर्क करें- श्रीराम टावर्स के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर 87094 38746 **(40587)**

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन 11000 से 13000 (समय सुबह 8बजे से शाम 8बजे) पता- होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड, टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 **(40574)**

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/लड़कों की। लड़को के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, (10वी, 12वीं) सम्पर्क- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(40577)**

आवश्यकता है-ड्राइवर की आवश्यकता है (घर एवं दुकान में गाड़ी चलाने हेतु एवं अन्य कार्य) वेतन 12000 से योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- शिवकुमार रमेश कुमार ज्वैलर्स सदर बाजार बिलासपुर 93012 88666, 9827932666 **(40579)**

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफिस में काम करने के लिए टेलीकॉलर, ऑफिस मैनेजर की आवश्यकता है पद संख्या 2, योग्यता अनुभव और अंग्रेजी ज्ञान वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता अपना रेज्यूमे लेकर गुरुवार एवं शनिवार को 12 से 3बजे तक मिलें ऑफिस वन क्लिक सॉल्यूशन पता अंश प्लाजा सेकेण्ड फ्लोर रिंग रोड न-2 मंगला बिलासपुर 79879 17660 **(40593)**

आवश्यकता है-रावांभाटा (बिरगांव) स्थित अरवा मिल (कोढ़ा मिल) हेतू आवश्यकता 1. अनुभवी मिल ऑपरेटर (सैलरी 15,000 - 18,000) 2. मुंशी 3. लेबर (कुली, रेजा) रहने की व्यवस्था है । संपर्क : 79879-70711 **(2602)**

आवश्यकता है-अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual/Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 **(40573)**

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें-शॉप नम्बर FS16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 **(40560)**

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक हमाल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर **(40503)**

आवश्यकता है-अम्बिकापुर शंकरगढ़ एवं बिलासपुर में बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु अनुभवी सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 98271 80841, 6268490010 **(40570)**

आवश्यकता है-अनुभवी सिविल इंजीनियर (BE Civil) की जो साईट पर काम करा सके अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री गणेश कंस्ट्रक्शन राजीव प्लाजा बिलासपुर 9301922223 **(40572)**

आवश्यकता है-श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार (समय सुबह 10am-7pm, रात 10pm-6am) सम्पर्क- साइंस कॉलेज के पास, सरकंडा 90747 41377 **(40578)**

आवश्यकता है-भारत के 28 राज्यों में सफलतापूर्वक चलने वाली हमारी कंपनी को अपनी जैविक खाद की सप्लाई के लिए ऊर्जावान और मेहनती सेल्स/ फील्ड डिस्ट्रीब्यूटर लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-9977999171, 9329245540 **(0388)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 **(40586)**

आवश्यकता है- फुटवियर शॉप में कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- न्यू गोल्डन शू हाउस शॉप नं-2, केयर एंड क्योर हॉस्पीटल के पीछे चाटापारा बिलासपुर 9827966636 **(40582)**

बेचना है

बेचना है- TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 7898318935 **(40584)**

बेचना है-उसलापुर में सांई आनन्दम के पास शानदार 20×60= 1200 वर्गफुट में बना नया 2BHK पूर्व मुखी सामने 30 फिट रोड फुल फिनिशिंग स्वयं का बोर सर्वसुविधायुक्त मकान। सम्पर्क करें- 88238 10105 **(40580)**

बेचना है- कोरबा ऊरगा मुख्य मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बरबसपुर में एक LIG फ्लैट मध्य तल का बेचना है। सम्पर्क करें- 9425283727, 94241 65378 **(40569)**

बेचना है-रायपुर मेन रोड नया बस स्टैण्ड के सामने मण्डपम मंगलम के बाजू वाली रोड से सेक्टर-D, चौक के पास 20×58, 40×58 आवासीय प्लॉट, घुरू से सैदा मेन रोड से लगा 35×55, आवासीय प्लॉट सम्पर्क- 9993770950, 7389486109 **(40583)**

किराया

किराया- नेहरू नगर में 2BHK, 3BHK फ्लैट किराए से देना है। ओपन, हवादार अपार्टमेंट बड़ी खिड़कियां, भरपूर रोशनी, वेंटिलेशन, 24×7 पानी, बिजली, जेनरेटर, गार्ड, क्लोज्ड कैम्पस, पॉश, लोकेशन। सम्पर्क- 95896 01111, 9753301111 **(40608)**

किराया- बिलासपुर में आजाद चौक मंगला के पास महामाया पार्क कालोनी में सर्वसुविधायुक्त 2BHK मकान किराये पर देना है। बैंक एवं शासकीय कर्मचारी परिवार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7999694091 **(40605)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
यौन रोग व यौन कमजोरी
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
डॉ. एच.सी. अग्रवाल
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

फॉर्म में गुजरात टाइटंस, संघर्ष कर रही मुंबई, आज हाई-वोल्टेज मुकाबला

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	6	5	1	11
बेंगलुरु	6	4	2	8
राजस्थान	6	4	2	8
हैदराबाद	6	3	3	6
दिल्ली	5	3	2	6
गुजरात	5	3	2	6
चेन्नई	6	2	4	4
लखनऊ	5	2	3	4
कोलकाता	7	1	5	3
मुंबई	5	1	4	2

ऑरेंज कैप / **पर्पल कैप**

हेनरिक क्लासेन
283 रन
हैदराबाद

अंशुल कंबोज
13 विकेट
चेन्नई

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

पिछले तीन मैच में जीत हासिल करके आत्मविश्वास से भारी गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में लगातार हार से दबाव में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। पिछले कुछ सप्ताह में इन दोनों टीमों का प्रदर्शन बिल्कुल विपरीत रहा है। गुजरात टाइटंस ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीत कर लय हासिल कर ली है और वह तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।

इसके बिल्कुल विपरीत मुंबई ने अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन उसके बाद से उसका प्रदर्शन खराब होता चला गया है। उसे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है और उनकी हार का अंतर बहुत बड़ा रहा है, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है।

एमआई का खराब प्रदर्शन

पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई पर खराब प्रदर्शन के कारण काफी दबाव है और उसे अगर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अब हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। उसकी टीम पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अनियमित प्रदर्शन और गेंदबाजी आक्रमण में धार की कमी ने उसे बुरी तरह प्रभावित किया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस के मध्यक्रम के मुख्य आधार रहे हैं लेकिन यह दोनों ही अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सूर्यकुमार ने भले ही एक अर्धशतक लगाया है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। दूसरी तरफ तिलक बेहद खराब फॉर्म में हैं।

नहीं चल पा रहे मुंबई के गेंदबाज

मुंबई के गेंदबाज भी नहीं चल पा रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक विकेट नहीं ले पाना उसके लिए बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने भले ही किफायती गेंदबाजी की है लेकिन बल्लेबाज उनके सामने जोखिम लेने से बचते हुए उन्हें आसानी से खेल रहे हैं। अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट नहीं ले पाए हैं जबकि हार्दिक भी गेंदबाजी में कोई कमाल नहीं दिखा पाए हैं। उनके स्पिनरों के प्रदर्शन में भी निरंतरता नहीं है।

टाइटन्स ने खोजा जीत का तरीका

गुजरात टाइटन्स ने अपनी समस्याओं के बावजूद जीत हासिल करने के तरीके खोज लिए हैं। उसकी बल्लेबाजी अभी भी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर काफी हद तक निर्भर है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ही अधिकतर रन बनाने का जिम्मा संभालते हैं। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाज अभी तक विश्वसनीय प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गेंदबाजी की बात करें तो गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। मोहम्मद सिराज और कागिसो रबाडा कई बार महंगे साबित हुए हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है। **मैच का समय : शाम 7:30 बजे से**

खबर संक्षेप

जोबर्ग ओपन में प्रणवी ने किया 30वां स्थान हासिल

जोहानिसबर्ग। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीसरे दौर में तीन अंडर 70 का स्कोर बनाकर लेडीज यूरोपियन टूर के जोबर्ग महिला ओपन में संयुक्त 30वां स्थान हासिल कर लिया। प्रणवी ने पहले दो दिन में 70-74 का स्कोर बनाया था। उन्होंने तीसरे दौर में तीन बोगी की लेकिन इसके साथ ही छह बर्डी भी लगाई। उनका कुल स्कोर अब पांच अंडर है। अन्य भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक, अवनि प्रशांत और हिताशी बख्शी कट में जगह नहीं बना पाई थी। फ्रांस की तीन खिलाड़ी कैमिला शेवेलियर, सेलीन हर्बिन और अगाथे लैस्ने संयुक्त बढ़त पर हैं। इन तीनों का कुल स्कोर 16 अंडर पार है।

लॉस एंजिलिस में संयुक्त 36वें स्थान पर अदिति

लॉस एंजिलिस। भारत की अदिति अशोक तीसरे दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से जेएम ईगल लॉस एंजिलिस गोल्फ चैंपियनशिप में संयुक्त 36वें स्थान पर हैं। अदिति ने तीसरे दौर में चार बर्डी की लेकिन एक बोगी भी कर गईं, जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा। कोरिया की सेई यंग किम ने तीसरे दौर में 71 स्कोर के साथ दो शॉट की बढ़त बरकरार रखी है। किम ने शुरुआती 9 होल में पांच बर्डी के साथ 8 शॉट की बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद अंतिम 9 होल में उन्होंने लगातार 4 बोगी की। किम का कुल स्कोर 15 अंडर है।

पीएसए चैलेंजर टूर: फाइनल में पहुंचे सूरज चंद

चेन्नई। भारत के सूरज कुमार चंद ने रविवार को हांगकांग के वाइलोक टो को हराकर एचसीएल स्क्वाश पीएसए चैलेंजर टूर के पुरुष फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त चंद ने यहां इंडियन स्क्वाश अकादमी में खेले गए पुरुष सेमीफाइनल में 11-8, 11-7, 11-6 से जीत दर्ज की। वह पीएसए टूर पर पांचवीं बार फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 134वें स्थान पर मौजूद चंद का मुकाबला दक्षिण कोरिया के आठवें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जियोंगमिन रियू से होगा।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 विकेट से हराया

सीजन में केकेआर की पहली जीत

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी के जादू के बाद रिंकू सिंह के जुझारू अर्धशतक से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को विषम परिस्थितियों से उबरते हुए राजस्थान रॉयल्स 4 विकेट से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला।

रॉयल्स के 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स की टीम 14वें ओवर में 85 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद संकट में थी लेकिन रिंकू (नाबाद 53 रन, 34 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) और अनकूल रॉय (नाबाद 29, 16 गेंद, दो छक्के, एक चौका) के बीच सातवें विकेट की 37 गेंद में 76 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में छह विकेट पर 161 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। सात मैच में पहली जीत दर्ज करने के बाद नाइट राइडर्स की टीम तीन अंक के साथ 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। लगातार दूसरी हार के बाद रॉयल्स की टीम छह मैच में आठ अंक के तीसरे स्थान पर है।

आर्चर के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

ईडन गार्डन्स के मैदान पर जोफ्रा आर्चर के नाम बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। आर्चर ने मोहम्मद शमी के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। आर्चर ने केकेआर की पारी की पहली ही गेंद पर टिम सीफर्ट को क्लीन बोल्ड करते हुए पवेलियन भेजा। आईपीएल में यह पांचवां मौका है, जब आर्चर ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट चटकाया है। आर्चर इस लीग में पारी की पहली बॉल पर सर्वाधिक बार विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से पहले गेंदबाज बन गए हैं। आर्चर के अलावा मोहम्मद शमी ने भी आईपीएल पारी की पहली गेंद पर 5 बार बल्लेबाजों को आउट किया है।

वैभव ने मैक्सवेल को छोड़ा पीछे

वैभव सूर्यवंशी ने केकेआर के खिलाफ 28 गेंदों पर 46 रन बनाए और इस दौरान 2 छक्के और 6 चौके भी जड़े। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 164.29 का रहा। इन 2 छक्कों के दम पर वैभव अब आईपीएल की पहली 13 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बन गए। वैभव ने इस लीग में 13 पारियों में कुल 44 छक्के लगाए हैं जबकि इससे पहले ये रिकॉर्ड मैक्सवेल के नाम था जिन्होंने 13 पारियों के बाद कुल 33 छक्के लगाए थे। आईपीएल की 13 पारियों के बाद सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वैभव पहले नंबर पर आ चुके हैं।

पंजाब की 5वीं जीत टीम पॉइंट्स टेबल में

न्यू चंडीगढ़। पंजाब किंग्स ने आईपीएल में 5वीं जीत हासिल की। टीम ने रविवार के दूसरे मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराया। पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी पंजाब ने 7 विकेट खोकर 254 रन बनाए। यह सीजन बेस्ट स्कोर रहा। जवाब में लखनऊ की टीम 5 विकेट पर 200 रन की बना सकी।

प्रियांश-कोनोली ने 182 रन जोड़े

प्रियांश आर्या को 93 और कूपर कोनोली के 87 रन की मदद से पंजाब 250 पार पहुंचा। दोनों ने 80 बॉल पर 182 रन की पार्टनरशिप की। पंजाब ने 3 रन के स्कोर पर प्रभसिमरन सिंह का विकेट गंवा दिया था। यहां से प्रियांश ने कोलोनी के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला

अगरकर का कार्यकाल बढ़ा, 2027 वनडे वर्ल्डकप तक चुनेंगे टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अजीत अगरकर सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें एक और साल का अनुबंध देने का फैसला किया है। अगरकर की अध्यक्षता में अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच चुनी गई भारतीय टीम चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची और इसमें से तीन में टीम ने खिताब जीता। भारत इस दौरान दो टी20 विश्व कप और एक बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफल रहा और यह पहले से ही लगभग तय था कि उनका अनुबंध चौथे साल के लिए बढ़ाया जाएगा।

अगरकर ने नहीं मांगा था सेवा विस्तार

बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'अगरकर ने सेवा विस्तार नहीं मांगा था। एक चयनकर्ता जूनियर या सीनियर चयन समिति में चार साल तक और दोनों समितियों में मिलाकर कुल पांच साल तक काम कर सकता है इसलिए अजीत को नया अनुबंध दिया गया है, उसमें विस्तार नहीं किया गया।' अगरकर के करीबी सूत्रों ने हमेशा यही कहा कि वह खुद अनुबंध बढ़वाने की मांग करने की जगह फैसला करने वालों को अपनी समिति के प्रदर्शन का आकलन करने देना अधिक पसंद करते हैं। पचास ओवर के विश्व कप से पहले निरंतरता बनाए रखना बोर्ड के इस फैसले के पीछे के मुख्य कारणों में से एक है।

लिए कई कड़े फैसले

अपने कार्यकाल के दौरान समिति ने कई कड़े फैसले किए हैं जिनमें विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की प्रक्रिया को देखना और सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करना शामिल है। समिति ने एक साहसिक चयन फैसला भी लिया, जिसमें टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान शुभमन गिल को टी20 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी इशान किशन को टीम में शामिल किया गया।

कोच नवल सिंह बर्खास्त, चोपड़ा और अंतिल ने की थी शिकायत

नीरज और सुमित ने कोच पर लगाया था मानसकि उत्पीड़न का आरोप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय ओलिंपकि चैंपियन नीरज चोपड़ा और पैरालंपिकि गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल की शिकायत के बाद भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने कोच नवल सिंह के खलिाफ सख्त एक्शन लिया है और तत्काल प्रभाव से उनकी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। यह फैसला तब लिया गया जब सुमित अंतिल ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को दी गई एक शिकायत में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और गाली गलौच करने का आरोप लगाया था।

नवल को पैरालंपिक समिति की गतिविधियों से हटाया

पीसीआई के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़ियां ने कहा कि नवल को पैरालंपिक समिति की सभी गतिविधियों से हटा दिया गया है। उन्होंने पत्र लखिकर कहा कि पैरालंपिकि पदक विजेता सुमित अंतिल और कई अन्य लोगों से कोच नवल सिंह के कथित दुराचार, अनुचित व्यवहार और उत्पीड़न के संबंध में शिकायतें मिलने पर मामले की सावधानीपूर्वक समीक्षा की गई।शिकायतों की जांच की गई और एथलीटों को अपनी चिंताओं को सामने रखने का उचित अवसर दिया गया।

कर्नाटक में एथलेटिक्स चैंपियनशिप क्वालीफिकेशन स्पर्धा 24 अप्रैल से

नई दिल्ली। अगले महीने हांगकांग में होने वाली एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के इच्छुक खिलाड़ियों को 24 से 26 अप्रैल तक कर्नाटक के तुमकुर में आयोजित तीन दिवसीय आयु वर्ग प्रतियोगिता के दौरान एएफआई की ओर से निर्धारित मानक हासिल करने होंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को आगामी एशियाई प्रतियोगिता के लिए चयन मानदंडों की घोषणा की। देश के शीर्ष एथलीटों के तुमकुर में होने वाली तीन दिवसीय 24वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में भाग लेने की उम्मीद है। एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 28 से 31 मई तक हांगकांग में आयोजित की जाएगी।

सुपर किंग्स को करारा झटका म्हात्रे हुए चोटिल, खेलना संदिग्ध

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में आगे खेलना संदिग्ध है, जो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए करारा झटका है। सीएसके के सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान 18 वर्षीय म्हात्रे की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने वाले म्हात्रे काफी असहज नजर आ रहे थे और उसके बाद वह लंबे समय तक क्रीज पर नहीं टिक पाए। सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने कहा,

'उसकी हैमसट्रिंग में खिंचाव आ गया है। अभी मुझे नहीं पता कि चोट कितनी गंभीर है। हम कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे।' ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि चोट की गंभीरता का आकलन करने के लिए म्हात्रे का स्कैन किया जाएगा और उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा यह अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबरने में छह महीने तक का समय लग सकता है।

म्हात्रे का बाहर होना हमारे लिए बड़ा नुकसान : माइक हसी

हसी ने कहा, 'दुर्भाग्य से स्थिति काफी खराब दिख रही है। उसका बाहर होना हमारे लिए बहुत बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में है।' म्हात्रे ने इस सत्र में अभी तक 177.87 के स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए हैं।

एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट

मेस्सी ने दागे दो गोल, इंटर मियामी जीता

कॉमर्स सिटी। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप से पहले अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में कोलोराडो रैपिड्स के खिलाफ दो गोल किए, जिससे उनकी टीम ने यह मैच 3-2 से जीतकर अपना अजेय अभियान सात मैच तक पहुंचा दिया। इंटर मियामी की गुइलेर्मो होयोस के अंतरिम कोच बनने के बाद यह पहली जीत थी। क्लब के खेल निदेशक के रूप में कार्यरत होयोस ने जावियर माशेरानो के व्यक्तिगत कारणों से अचानक क्लब छोड़ने के बाद कोचिंग का कार्यभार संभाला। माशेरानो ने क्लब के साथ अपने एकमात्र पूर्ण सत्र में इंटर मियामी को 2025 एमएलएस कप का खिताब दिलाया था। मेस्सी ने 13वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर स्कोरिंग की शुरुआत की और 79वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। इंटर मियामी की तरफ से एक अन्य गोल जर्मन बर्तेरामे ने किया।

आवश्यकता है

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (EMRS), छर्राटांगर
ब्लॉक- घरघोड़ा, जिला- रायगढ़ (छ.ग.), पिन: 496111

विज्ञापन संख्या: EMRS/2025-26/567 दिनांक: 19/04/2026

वॉक-इन-इंटरव्यू (Walk-in-Interview)

सत्र 2026-27 के लिए निम्नलिखित पदों पर पूर्णतः संविदा (Contractual) आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों का अंग्रेजी माध्यम (CBSE) में कुशल होना अनिवार्य है।

साक्षात्कार की तिथि: 27.04.2026,
दस्तावेज सत्यापन: प्रात: 09:00 बजे से 10:30 बजे तक
साक्षात्कार: प्रात: 11:00 बजे से स्थान: विद्यालय परिसर
रिक्त पदों का विवरण: PGT: इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र।
TGT: अंग्रेजी, कंप्यूटर साइंस।
अन्य पद: महिला स्टाफ नर्स, महिला काउंसलर, इलेक्ट्रीशियन सह प्लंबर, गार्ड।
कौशल विषय (Skill Subjects): ऑटोमोटिव लैब, एग्रीकल्चर लैब।
अनिवार्य योग्यता: ऑटोमोटिव: ऑटोमोबाइल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में B.E./B. Tech/B.Voc (ऑटोमोबाइल विशेषज्ञता के साथ) अथवा 3 साल के अनुभव के साथ डिप्लोमा (ऑटो/मैकेनिकल)।
एग्रीकल्चर: कृषि (Agriculture) या बागवानी (Horticulture) में स्नातक डिग्री या डिप्लोमा (1 वर्ष का अनुभव वांछनीय)। अन्य: NESTS/EMRS के मानकों के अनुसार।
आवेदन कैसे करें :इच्छुक उम्मीदवार अपना बायो-डाटा, सभी दस्तावेजों/अंकसूचियों की स्व-सत्यापित छायाप्रतियों का एक सेट और सत्यापन हेतु मूल प्रमाण पत्र साथ लाएं।
वेबसाइट: emrschharratangar.in ईमेल:emrschharratangar21@gmail.com

हस्ता./- प्राचार्य

कार्यालय नगर पंचायत सीतापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)
फोन नम्बर 07834 275013 **e-mail-cmositapur@rediffmail.com**

क्रमांक /27/ लो.नि.वि/न.पं./2026-2027 सीतापुर, दिनाँक 13/04/2026

-: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना :-

एतद् द्वारा नगर पंचायत सीतापुर क्षेत्रांतर्गत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा क्रमशः Form-A अंतर्गत प्रचलित एस.ओ.आर. CG PWD Bulding w.e.f. on 01-01-2015 से प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्टर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख मे)	अमानत राशि	टेण्डर फार्म शुल्क	सक्षम श्रेणी	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	निविदा फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
1	188801	वार्ड क्र. 10 हाट बाजार के पास 20 नग दुकान निर्माण कार्य	58.59	44000/-	3000/-	'द एवं उच्चतम श्रेणी	08-05-2026 सायं 5:00 बजे तक	14-05-2026 सायं 4:00 बजे तक	15-05-2026 प्रात: 11:00 बजे से

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभाग के वेबसाईड https://eproc.cgstate.gov.in एवं https://uad.cg.gov.in में देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
टीप :- निविदा हेतु भौतिक दस्तावेज रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही नियत तिथि एवं समय तक प्राप्त की जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत सीतापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग ना करें । नगर पंचायत के करों का भुगतान समय पर करें।

पिघलती बर्फ बनी काल : एम्परर पेंगुइन पर मंडराया विलुप्त होने का खतरा

न्यूयार्क। अंटार्कटिका की कड़ाके की ठंड और बर्फीली वादियों की शान कहे जाने वाले एम्परर पेंगुइन अब अपने वजूद की लड़ाई लड़ रहे हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने दुनियाभर के पर्यावरण प्रेमियों को हिलाकर रख दिया है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने चेतावनी दी है कि अगर हालात नहीं सुधरे, तो ये शानदार पक्षी जल्द ही धरती से विलुप्त हो सकते हैं। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इस रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया के सबसे बड़े पेंगुइन अब कुछ ही सालों के मेहमान हैं। आईयूसीएन ने अब इन्हें अपनी रेड लिस्ट में डाल दिया है।

क्यों खतरे में है एम्परर पेंगुइन?

एम्परर पेंगुइन की पूरी जिंदगी समुद्री बर्फ पर टिकी होती है। वे इसी बर्फ पर अंडे देते हैं, बच्चों को पालते हैं और शिकार से बचने के लिए इसका सहारा लेते हैं। लेकिन, पिछले कुछ सालों से क्लाइमेट चेंज की वजह से अंटार्कटिका की बर्फ रिकॉर्ड तेजी से पिघल रही है। इसकी वजह से इनके बच्चों की मौत हो रही है। क्योंकि, पेंगुइन के बच्चों के पंख तब तक वॉटरप्रूफ नहीं होते, जब तक वे पूरी तरह बड़े न हो जाए। और, जब समय से पहले बर्फ पिघल जाती है, तो ये बच्चे ठंडे पानी में गिर जाते हैं और तैरना न आने की वजह से उनकी मौत हो जाती है।

सिर्फ बर्फ ही नहीं, खाने का भी संकट

पेंगुइन प्रमुख रूप से क्रिल (छोटी मछली जैसे जीव) खाते हैं। लगातार समंदर का तापमान बढ़ने से क्रिल की संख्या कम हो रही है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर होने वाली फिशिंग (मछली पकड़ना) भी पेंगुइन के मुंह से निवाला छीन रही है। खाना कम होने की वजह से वयस्क पेंगुइन कमजोर हो रहे हैं और वे अपने बच्चों का पेट तक नहीं भर पा रहे हैं।

क्या 2100 तक सब खत्म हो जाएगा?

वैज्ञानिकों का अनुमान बेहद डरावना है। अगर ग्लोबल वॉर्मिंग इसी रफ्तार से बढ़ती रही, तो साल 2100 तक एम्परर पेंगुइन की 98% आबादी खत्म हो सकती है। इसका मतलब है, अगली सदी की शुरुआत तक शायद ये जीव दुनिया के नक्शे से पूरी तरह गायब हो जाएं।

क्या अब भी उम्मीद बाकी है?

वैज्ञानिकों का मानना है कि इन्हें बचाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए पूरी दुनिया को साथ आना होगा। अगर हम धरती के बढ़ते तापमान को 1.5C या 2C तक रोक पाए, तभी अंटार्कटिका की बर्फ को बचाया जा सकता है। इसके साथ ही अंटार्कटिका के आसपास के समंदर को 'नो-फिशिंग जोन' घोषित करना होगा, जिससे पेंगुइन को पर्याप्त खाना मिल सके।

नासा ने शेयर किया अंतरिक्ष से सूर्य ग्रहण का वीडियो, ओरियन की खिड़की से दिखा नजारा

वॉशिंगटन। नासा के चार एस्ट्रोनॉट्स (रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसन) अंतरिक्ष के इतिहास में पहले ऐसे इंसान बन गए हैं, जिन्होंने धरती से नहीं, बल्कि चांद के करीब गहरे अंतरिक्ष से पूर्ण सूर्य ग्रहण देखा है। यह तब हुआ, जब वे चांद के पिछले हिस्से से गुजर रहे थे। इस मिशन के दौरान एस्ट्रोनॉट्स के ओरियन कैप्सूल में लगे कैमरे ने इस पूरे पल को रिकॉर्ड भी किया था। अब नासा ने इसका वीडियो भी जारी कर दिया है। इसमें ओरियन कैप्सूल ने चांद के पीछे से गुजरते समय एक पूर्ण सूर्य ग्रहण को अपने कैमरे में कैद किया है। इस वीडियो को देखकर पूरी दुनिया के लोग हैरान हैं।

वीडियो में क्या दिखा?

नासा ने ओरियन स्पेसक्राफ्ट के सोलर एरे विंग्स पर लगे कैमरों से ली गई तस्वीरों को जोड़कर एक वीडियो बनाया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि कैसे चांद धीरे-धीरे सूरज के सामने आता है और उसे पूरी तरह ढक लेता है। जब सूरज पूरी तरह छिप जाता है, तो उसके पीछे से एक चमकदार सफेद रोशनी का घेरा निकलता है, जिसे 'सोलर कोरोना' कहा जाता है। धरती से यह नजारा कुछ मिनटों का होता है, लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों के लिए यह

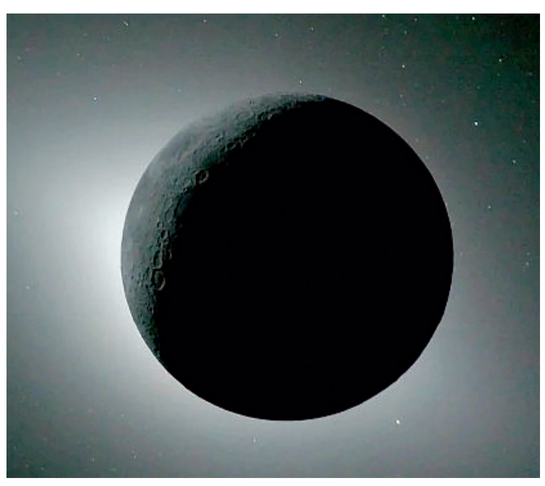

पहली बार अंतरिक्ष से दिखा सूर्य ग्रहण

धरती पर तो हम अक्सर सूर्य ग्रहण देखते हैं, जहां चांद सूरज को ढकता हुआ नजर आता है। लेकिन, आर्टेमिस-2 के जांबाज (रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसन) पहले ऐसे इंसान बन गए हैं, जिन्होंने गहरे स्पेस से इस नजारे को देखा। नासा के वीडियो में दिख रहा है कि कैसे काला चांद धीरे-धीरे सूरज के सामने आता है और फिर सूरज के चारों ओर एक 'चमकता हुआ घेरा' दिखाई देने लगता है।

चश्मे पहनकर देखा ग्रहण

नासा ने एक फोटो भी साझा की है, जिसमें चारों एस्ट्रोनॉट्स ओरियन की खिड़की के पास एक्लिप्स ग्लासेस पहनकर इस नजारे का आनंद ले रहे हैं। भले ही वे अंतरिक्ष में थे, लेकिन सूरज की सीधी किरणों से आंखों को बचाने के लिए सुरक्षा जरूरी थी।

54 मिनट का अंधेरा

धरती पर जब सूर्य ग्रहण लगता है, तो पूर्ण ग्रहण केवल 2 से 7 मिनट तक रहता है। लेकिन, ओरियन स्पेसक्राफ्ट की स्थिति ऐसी थी कि एस्ट्रोनॉट्स ने करीब 54 मिनट तक पूर्ण सूर्य ग्रहण का अनुभव किया। अंतरिक्ष में स्पेसक्राफ्ट और चांद की गति और स्थिति के तालमेल की वजह से उन्हें यह नजारा धरती के मुकाबले कई गुना ज्यादा समय तक देखने को मिला।

असली बच्चे जैसे दिखने वाली ये डॉल्स बन रहीं लोगों का सहारा

न्यूयार्क। असली बच्चों जैसी दिखने वाली रीबॉर्न डॉल्स दुनियाभर में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। ये डॉल्स न सिर्फ एक आर्ट फॉर्म हैं, बल्कि कई लोगों के लिए मानसिक शांति, भावनात्मक सहारा और थेरेपी का जरिया भी बन चुकी हैं। पहली नजर में ये आपको बिल्कुल असली नवजात बच्चे लगेंगे, नरम त्वचा, छोटे-छोटे हाथ-पैर और चेहरे के भाव तक असली जैसे। लेकिन, असल में ये गुड़िया हैं, जिन्हें रीबॉर्न डॉल्स कहा जाता है। दुनियाभर में इनका क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और खासकर महिलाएं इन्हें सिर्फ खिलौना नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारे के रूप में अपना रही हैं। जहां कई लोग इसे फायदेमंद मानते हैं, वहीं कुछ लोग इसे अजीब या डरावना भी कहते हैं। आलोचकों का मानना है कि यह असली और नकली के बीच की सीमा को धुंधला कर सकता है। कुछ मामलों में यह मानसिक समस्याओं का संकेत भी हो सकता है।

क्यों बढ़ रहा है इन डॉल्स का क्रेज?

- मानसिक शांति और थेरेपी- कई लोग इन डॉल्स को पकड़कर या उनकी देखभाल करके मानसिक शांति महसूस करते हैं। यह चिंता, डिप्रेशन और पीटीएसडी जैसी समस्याओं में मददगार माना जाता है।
- दुख और अकेलेपन से उबरने का सहारा- जिन महिलाओं ने बच्चे को खोया हो, गर्भपात हुआ हो या जो मां नहीं बन पा रही हों, उनके लिए ये डॉल्स एक भावनात्मक सहारा बनती हैं।
- डिमेंशिया और बुजुर्गों की देखभाल- अल्जाइमर या डिमेंशिया के मरीजों के लिए भी ये डॉल्स उपयोगी साबित हो रही हैं। इनकी देखभाल करने से उन्हें एक उद्देश्य और सुकून मिलता है।
- आर्ट और कलेक्शन का शौक- कुछ लोग इन्हें एक आर्ट पीस के रूप में खरीदते हैं। इनकी बारीकी और रियल लुक इन्हें कलेक्टर्स के बीच खास बनाती है।
- सोशल मीडिया का असर- इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर इन डॉल्स के अनबॉक्सिंग और केयर वीडियो लाखों व्यूज बटोरते हैं, जिससे इनकी लोकप्रियता और बढ़ रही है।

क्या हैं रीबॉर्न डॉल्स?

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, रीबॉर्न डॉल्स बेहद खास तरह की गुड़िया होती हैं, जिन्हें इतनी बारीकी से बनाया जाता है कि ये असली बच्चों जैसी लगती हैं। इनकी खासियत हैं- हाथों से पेंट की गई त्वचा, असली जैसे बाल (मोहायर से बनाए गए), वजन ऐसा कि गोद में लेने पर असली बच्चा लगे, चेहरे के एक्सप्रेशन भी बिल्कुल रियल। इनकी कीमत कुछ सौ डॉलर से लेकर हजारों डॉलर तक हो सकती है। इस ट्रेंड की शुरुआत 20वीं सदी के आखिर में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई थी।

घायल बच्चा ठीक होते ही लगाने लगा नर्सों के साथ ठुमके

नई दिल्ली। हमेशा हम अस्पताल का नाम सुनते ही डर, दर्द और चिंता की तस्वीर अपने मन में बना लेते हैं। लेकिन, कभी-कभी यही जगह ऐसे खूबसूरत और भावुक कर देने वाले पल भी दे जाती है, जो दिल को छू जाते हैं और इंसानियत पर भरोसा और मजबूत कर देते हैं। हाल ही में एक अस्पताल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने हर किसी के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। दरअसल, एक अस्पताल का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक छोटा बच्चा नजर आता है, जो घायल बताया जा रहा है। उसे सही समय पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नर्सों ने उसकी पूरी देखभाल की उनकी मेहनत और समर्पण का ही नतीजा था कि बच्चे का इलाज सफल रहा और उसकी तबीयत में जल्दी सुधार देखने को मिला. जहां पहले कमरे में डर और बेचैनी का माहौल था, वहीं इलाज के बाद सब कुछ बदल गया।

नर्सों के साथ किया प्यारा डांस

जैसे ही बच्चा बेहतर महसूस करने लगा, उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। वह अब पहले की तरह डरा हुआ नहीं था, बल्कि खुश और हल्का महसूस कर रहा था। यही वो पल था जब माहौल पूरी तरह बदल गया और कमरे में खुशी की लहर दौड़ गई। इलाज के बाद जो दृश्य सभी के सामने आया, वह सच में दिल को छू लेने वाला था। बच्चा उन्हीं नर्सों के साथ डांस करने लगा, जिन्होंने उसकी देखभाल की थी। नर्सें भी उसकी खुशी में शामिल हो गईं और सभी ने मिलकर उस पल को खास बना दिया। यह पल देखकर साफ समझ आता है कि इलाज सिर्फ दवाइयों से नहीं, बल्कि प्यार और अपनापन से भी होता है।

इंसानियत और दया की मिसाल बना वीडियो

यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग नर्सों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हर कोई उनके इस संवेदनशील और मानवीय व्यवहार की सराहना कर रहा है और कह रहा है कि असली हीरो वही होते हैं, जो अपने काम के साथ-साथ इंसानियत भी निभाते हैं। सिर्फ नर्सें ही नहीं, बल्कि इस छोटे बच्चे ने भी लोगों का दिल जीत लिया है। कई यूजर्स ने उसकी मासूमियत और हिम्मत की तारीफ करते हुए उसे सच्चे दिल वाला बताया है। वहीं, कुछ लोगों ने अस्पताल प्रबंधन का भी धन्यवाद किया है, जिन्होंने इतने अच्छे तरीके से मरीजों की देखभाल की और ऐसा सकारात्मक माहौल बनाया, जहां इलाज के साथ-साथ भावनाओं का भी ख्याल रखा जाता है।

कैलाश पर्वत का ऐसा दृश्य पहले कभी नहीं देखा, मन मोह लेगा नजारा!

नई दिल्ली। बादलों के सफेद समंदर को चीरती हुई उड़ती फ्लाइट और अचानक सामने उभरता रहस्यमयी कैलाश यह नजारा किसी सपने से कम नहीं लगता। क्या आपने कभी अपनी आंखों से ऐसा सुकून देने वाला, रूहानी दृश्य देखा है? सोशल मीडिया पर इन दिनों कैलाश पर्वत का एक बेहद दुर्लभ वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। प्लेन की खिड़की से कैद इस एरियल व्यू को देखकर लोग हैरान रह गए हैं। यह दृश्य इतना अद्भुत है कि मानो खुद महादेव के दर्शन हो रहे हों। कहा जाता है कि हिमालय की ऊंचाइयों में एक ऐसी आध्यात्मिक ऊर्जा होती है, जो इंसान को खुद से जोड़ देती है। जब नजरें दुनिया के सबसे रहस्यमयी पर्वत कैलाश पर टिकती हैं, तो रोमांच और श्रद्धा दोनों ही चरम पर पहुंच जाते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बादलों की सफेद चादर के बीच से झांकता कैलाश पर्वत दिखाई दे रहा है। इस

अद्भुत दृश्य को देखकर लोग भावविभोर हो रहे हैं और 'हर हर महादेव' का जयकारा लगा रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में एक यात्री ने फ्लाइट की खिड़की से इस दुर्लभ नजारे को कैद किया है।जैसे ही सूरज की किरणें बर्फ से ढकी चोटियों पर पड़ती हैं, पूरा पर्वत सुनहरी चमक से दमकने लगता है। करीब 6,638 मीटर ऊंचा यह पर्वत न सिर्फ हिंदू धर्म, बल्कि बौद्ध और जैन धर्म में भी बेहद पवित्र माना जाता है। इस वीडियो को अब तक लाखों लोग देख चुके हैं और कमेंट सेक्शन में लोगों की भावनाएं उमड़ पड़ी हैं। कैलाश पर्वत को लेकर दुनियाभर में कई रहस्यमयी कहानियां प्रचलित हैं। माना जाता है कि आज तक कोई भी व्यक्ति इसके शिखर तक नहीं पहुंच पाया है। इस वायरल वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि ऐसा लग रहा है मानो नंदी जी खुद अपने स्वामी के धाम की पहरेदारी कर रहे हों। यह वीडियो इसलिए भी खास बन जाता है क्योंकि कैलाश पर्वत का इतना करीब से एरियल व्यू मिलना बेहद दुर्लभ होता है।

हैंडसम दिखने के लिए चेहरे पर हथौड़ा मार रहे युवा

न्यूयार्क। सोशल मीडिया की दुनिया में वायरल होने की होड़ और परफेक्ट लुक पाने की चाहत अब पागलपन की हदें पार कर रही है। इन दिनों इंस्टाग्राम, टिकटॉक और किक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 'बोन स्मैशिंग' नाम का एक जानलेवा ट्रेंड वायरल हो रहा है। आप यकीन नहीं करेंगे, इस ट्रेंड में युवा अपने चेहरे के फीचर्स यानी जॉ-लाइन को शार्प बनाने के लिए हथौड़े से खुद के चेहरे पर वार कर रहे हैं। इस खौफनाक ट्रेंड की शुरुआत एक ऑनलाइन कम्युनिटी से हुई है, जहां लोग अपने फिजिकल अट्रैक्शन को बढ़ाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। इसे 20 वर्षीय अमेरिकी इन्फ्लुएंसर ब्रैडेन पीटर्स उर्फ क्लैविकुलर ने लोकप्रिय बनाया है। इन युवाओं का मानना है कि चेहरे की हड्डियों को हथौड़ से पीटने से उनमें माइक्रो फ्रैक्चर होगा। वहीं, जब ये हड्डियां दोबारा जुड़ेंगी तो ज्यादा चौड़ी और मजबूत हो जाएंगी। इसके पीछे ये युवा 19वीं सदी के वुल्फ्स लॉ का गलत तर्क देते हैं। डॉक्टरों ने इस ट्रेंड को पूरी तरह से खतरनाक बताया है।

घर में निकली लाल बाबा चींटियां!

भोपाल। छतरपुर जिले में गर्मी मौसम में घरों में लाल बड़ी चींटियां निकलने लगती हैं। जिसे लोग आस्था से जोड़ते हैं। लोगों की मान्यता है कि यह अपने किसी उद्देश्य से निकलती हैं। इसलिए, इन्हें परेशान डिस्टर्ब नहीं करते हैं। अगर करते हैं तो यह ओर निकलते हैं। अगर गलती से भी मर गए तो पीछे पड़ जाते हैं। इन्हें क्षेत्रीयता भाषा में बाबा भी कहा जाता है। इन्हें भगाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय भी करते हैं। इसके लिए लोग हवन भी करते हैं।

बाबा के नाम से पहचानते लोग : ग्रामीण कालीचरण बताते हैं कि गर्मी मौसम में ज्यादातर निकलते हैं। जमीन के अंदर जब गर्मी ज्यादा पड़ती है और बाहर ठंडक मिलती है तो यह निकलते हैं। गर्मी मौसम में निकलते रहते हैं। अभी 1 अप्रैल से जिले में तापमान बढ़ने से गर्मी होने लगी, लेकिन फिर बारिश होने लगी तो मौसम ठंडा होने लगा। जमीन के अंदर गर्मी और बाहर

छतरपुर में आस्था से जुड़ा अनोखा रहस्य

ठंडक होने की वज़ह से यह घरों की कच्ची जमीन में निकल रहे हैं। हमारे यहां क्षेत्रीय भाषा में इन चींटियों को बाबा या वोमुत कहते हैं। बताते हैं कि घरों में कच्ची जगह ज्यादा निकलते हैं। क्योंकि, जमीन के अंदर रहते हैं। ये खुद ही जमीन खोदकर निकलने लगते हैं। जिन घरों में ये लाल चींटियां निकलती हैं वहां इनको मारा नहीं जाता है। मान्यता है कि इनको मारने से यह ज्यादा निकलते हैं। इनमें एकता बहुत होती है। अगर इन्हें पता चला कि हमारा साथी मारा गया तो वह पूरे घर में यहां से वहां घूमते हैं। साथ ही घर के लोगों को काटते भी हैं। इसलिए, इन्हें कोई भी व्यक्ति परेशान नहीं करता है।

हवन से मिलती शांति

वहीं, राम-जानकी मंदिर पुजारी बताते हैं कि जब ये घरों में लगातार निकलते हैं और कई दिनों तक निकलते ही रहते हैं तो फिर इन्हें शांत यानि भगाने के लिए लोग हवन भी करते हैं। मान्यता है कि घी के हवन से इन्हें शांति मिलती है। साथ ही इनके बिलो में कपूर भी डालकर इन्हें भगाया जाता है। लेकिन, मारता कोई नहीं है।

मानते हैं शुभ संकेत

पुजारी बताते हैं कि शादी के दौरान भी यह घरों में निकलते हैं, क्योंकि शादी के समय घरों में मिठा-मिष्ठान बनता है। लेकिन ,गर्मी में होने वाली शादियों में ही निकलते हैं। मान्यता ये भी है कि जिस घर में ये निकलते हैं वहां कुछ शुभ संकेत मिलने वाले हैं। इसलिए, लोग इन्हें साकारात्मक सोच के साथ इनके साथ सही व्यवहार करते हैं।

आखिरकार मिल गया समुद्र में खोया हजारों साल पुराना शहर

बगदाद। पुरातत्वविदों ने दक्षिणी इराक में खाड़ी के पास एक खोए हुए शहर को ढूंढ निकाला है, जिसे 'टिगरिस नदी पर स्थित अलेक्जेंड्रिया' के नाम से जाना जाता है। बताया जा रहा है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में स्थापित यह शहर विशालकाय अलेक्जेंड्रिया का ही एक भाग है। कभी-कभी वैज्ञानिकों के हाथ कुछ ऐसा लग जाता है, जो उनके जीवन की सबसे बड़ा खोज में से एक बन जाता है। अब वैज्ञानिकों को कुछ ऐसा ही मिला है। दरअसल, पुरातत्वविदों का कहना है कि उन्होंने आखिरकार सिकंदर महान द्वारा स्थापित एक लंबे समय से खोए हुए शहर का पता लगा लिया है। वो शहर, जो कभी प्राचीन मेसोपोटामिया को सीधे फारस की खाड़ी के व्यापार मार्गों से जोड़ता था। 'टिगरिस नदी पर स्थित अलेक्जेंड्रिया' के नाम से जानी जाने वाली ये बस्ती दक्षिणी इराक में खाड़ी के पास स्थित बताई जा रही है और शुरुआती रिपोर्टों में इस खोज को 'बिल्कुल आश्चर्यजनक' बताया गया है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में स्थापित यह शहर कई 'अलेक्जेंड्रिया' में से एक था, जिसे मैसेडोनियाई विजेता ने ग्रीस से लेकर भारत की सीमाओं तक एक महान साम्राज्य का निर्माण करते समय स्थापित किया था। जहां मिस्त्र का अलेक्जेंड्रिया अपने प्रकाशस्तंभ और पुस्तकालय के लिए विश्व प्रसिद्ध हो गया, वहीं टिगरिस नदी पर स्थित अलेक्जेंड्रिया सबकी पहुंच से बाहर रहा, लेकिन ये शहर किंवदंतियों में जरूर जिंदा रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं का कहना है कि ये जगह रणनीतिक रूप से स्थित बंदरगाह की अपेक्षाओं से मेल खाता है।

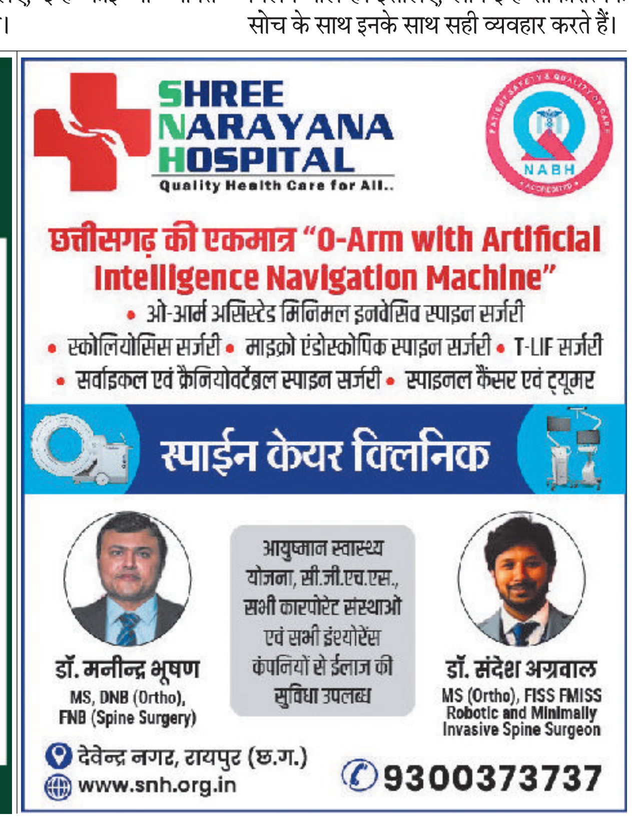

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com